

पीएम मोदी से मिले यूएई के शेख थियाब बिन मोहम्मद, द्विपक्षीय संबंधों पर हुई व्यापक चर्चा



○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रेसिडेंट न्यायालय में विकास एवं शहीद नायकों के मामलों के उपाध्यक्ष शेख थियाब बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट कर बताया, यूएई के राष्ट्रपति न्यायालय में विकास एवं शहीद नायकों के मामलों के उपाध्यक्ष महामहिम शेख थियाब बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। शेख थियाब गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय ने

उन्के दौरे का स्वागत करते हुए कहा था कि यह यात्रा भारत और यूएई के बीच नियमित उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की गति को और मजबूत करेगी।

देसी उत्पाद खोजें यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब यूएई के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान ने मुंबई में मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की और व्यापक रणनीतिक एवं आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा की।

यूपी: एमएलसी की 11 सीटों पर वोटिंग खत्म, कुल 55.24 प्रतिशत हुआ मतदान

○ **एजेंसी, लखनऊ।**

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों के लिए सुबह 8 बजे से शुरू मतदान शाम 4 बजे समाप्त हो गया। इनमें पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की सीटें शामिल हैं। इन सीटों पर कुल 14.81 लाख मतदाता पंजीकृत हैं। 72 जिलों में मतदान के लिए 2697 मतदेय स्थल बनाए गए। चुनाव में कुल 152 प्रत्याशी मैदान में हैं। वोटिंग के दौरान कई जिलों में हंगामे हुए। सपा ने बीजेपी पर बूथ कैप्चरिंग के आरोप भी लगाए।

यूपी एमएलसी के लिए 55.24 प्रतिशत मतदान

यूपी एमएलसी की 11 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। इन सीटों के लिए कुल 55.24 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक के लिए सबसे अधिक 79.01 प्रतिशत मतदान हुआ। यूपी एमएलसी की 11 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। इनमें पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षत्र की सीट शामिल है। इन सीटों



के लिए सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान हुआ।

विधान परिषद की लखनऊ खंड स्नातक और शिक्षक निर्वाचन सीटों पर शुक्रवार को हुए मतदान में शिक्षक निर्वाचन के मतदाताओं ने अधिक उत्साह दिखाया। मंडल के सातों जिलों में स्नातक निर्वाचन सीट पर औसतन 38.72 प्रतिशत और शिक्षक निर्वाचन सीट पर 55.76 प्रतिशत मतदान हुआ।

स्नातक निर्वाचन में खीरी 44.32 प्रतिशत मतदान के साथ पहले स्थान पर रहा। वहीं, शिक्षक निर्वाचन में रायबरेली में सबसे अधिक 63.14 प्रतिशत मतदाताओं

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

एसआईआर के खिलाफ लेफ्ट का प्रदर्शन,100 हिरासत में

'ज्ञानेश कुमार गद्दी छोड़' के नारे लगे, 22 दिन में 10 पार्टी-संगठन उतर चुके सड़क पर

○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

दिल्ली के बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास शुक्रवार को रक्त के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पोस्टर लेकर पहुंचे और उनके इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन करीब 3 घंटे चला।

यह प्रदर्शन पीपल अगेन्स्ट SIR और छात्र संगठन AISA ने बुलाया था। संगठनों ने बंगला साहिब से चुनाव आयोग ऑफिस तक मार्च बुलाया। पुलिस ने रास्ते में ही करीब 100 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

दिल्ली में रक्तवापसी, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर पिछले 22 दिनों में 9 से ज्यादा बार 10 पार्टियां और संगठन सड़क पर उतर चुके हैं। इनमें इंडिया ब्लॉक, सीजेपी, आप, पुलिस ने इन्हें गुरुवार को पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन दोनों नहीं पहुंचे



नागरिक अधिकार संगठन शामिल हैं।

दिल्ली पुलिस सीजेपी नेताओं को फिर नोटिस भेज सकती है

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच फिर कॉकरोच पार्टी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को पूछताछ के लिए नोटिस भेज सकती है। इससे पहले पुलिस ने इन्हें गुरुवार को पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन दोनों नहीं पहुंचे थे। उन्होंने पुलिस से और समय मांगा है। दोनों नेताओं को बुधवार को दिल्ली की स्पेशल एंजीक्न्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट से जमानत मिली थी। उन्हें 50-50 हजार रुपए के बॉन्ड पर रिहा किया गया। दिल्ली पुलिस ने 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दोनों को हिरासत में लिया था।

वहीं, दिल्ली हाईकोर्ट आज अक्रअ अध्यक्ष नेहा बोरा की याचिका पर भी

फैसला सुनाएगा। दरअसल, बोरा ने दिल्ली पुलिस के उस नोटिस को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें जांच के दौरान शांति बनाए रखने के लिए 10,000 का निजी मुचलका और एक जमानतदार देने को कहा गया था।

सौरव-आशुतोष के खिलाफ दोनों केस क्राइम ब्रांच ट्रॉसफर

दिल्ली पुलिस ने बुधवार को आशुतोष रांका और सौरव दास के खिलाफ जंतर-मंतर पर बिना अनुमति जाने के मामले की जांच क्राइम ब्रांच के सौंप दी। 13 अक्टूबर को दोनों नेताओं के कर्नाट प्लेस और जंतर-मंतर जाने के बाद दो मामले दर्ज किए गए थे। कर्नाट प्लेस वाला मामला 20 अक्टूबर को क्राइम ब्रांच को सौंपा गया था। अब जंतर-मंतर वाले मामले की जांच भी क्राइम ब्रांच करेगी।



○ **एजेंसी, लखनऊ।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को उचित सलाह दी है। लोकभवन में शुक्रवार को मिशन कर्मयोगी के तहत आयोजित उत्तर क्षेत्रीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सक्षम, संवेदनशील और जवाबदेह बनाने के लिए सही व्यक्ति को सही पद पर तैनात करने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने टीवी पर लोकप्रिय हुए एक धारावाहिक का उद्घरण दिया और कहा कि आम आदमी को अपने काम के लिए ऑफिस - ऑफिस धारावाहिक की तरह एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय भटकना पड़े, तो यह पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। यह नहीं होना चाहिए। बुजुर्ग, युवा, महिला, किसान और अन्य जरूरतमंदों की समस्याओं का समाधान न हो तो लोक सेवा का उद्देश्य पूरा नहीं

बिहार: सीवान में पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट, आठ लोगों की मौत

सीवान। बिहार के सीवान जिले के आलमापुर गांव में पटाखा बनाते समय एक फैक्टरी में भीषण धमाका हुआ। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। लोग घरों से बाहर निकल आए। धमाका इतना तेज था कि आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। शुरुआत में मिली जानकारी के अनुसार, इस घटना में अभी तक आठ लोगों की मौत की सूचना है। वहीं, कुछ घंटे बाद सीवान एसपी भरत सोनी ने पांच लोगों की मौत की पुष्टि की है। कई लोगों के घायल होने की भी आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि घटनास्थल के आसपास अभी-भी विस्फोट हो रहे हैं। लगातार धमाकों के कारण राहत व बचाव दलों को अंदर जाने में मुश्किल हो रही है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इलाके की घेराबंदी की जा रही है। पुलिस के जवान भीड़ को मौके से हटा रहे हैं।

डेढ़ घंटे तक रुक-रुककर ब्लास्ट हुआ
मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि करीब डेढ़ घंटे तक रुक-रुक कर ब्लास्ट होने से एक मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गया। इस घटना में कई लोगों के शरीर के टुकड़े जहां-तहां बिखरे मिले हैं। धमाके रुकने के बाद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। इस बीच क्षत-विक्षत शवों को देख लोगों की रूढ़ कांप उठी। एक परिवार के मां, पिता और बेटी की मौत की बात सामने आ रही है। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई है। सक्टर एसडीओ आशुतोष गुप्ता और महाराजगंज एसडीपीओ अमन भी घटनास्थल पर पहुंचे हैं। बड़हरिया, जामो और गोरैयाकोठी सहित कई थानों की पुलिस भी मौके पर मौजूद है।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी
थाना प्रभारी से बातचीत में बताया गया कि घटनास्थल पर राहत एवं बचाव अभियान जारी है। दमकल की कई गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं और आग पर काबू पाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस और प्रशासन की प्राथमिकता आग बुझाने, मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और स्थिति को नियंत्रित करने की है। थाना प्रभारी के अनुसार, रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा होने और स्थिति सामान्य होने के बाद ही मृतकों एवं घायलों की वास्तविक संख्या स्पष्ट हो सकेगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ की अधिकारियों को दो टूक

‘ऑफिस -ऑफिस’ धारावाहिक की तरह कार्यालयों में न भटके आम आदमी

एआई सेंटर आफ एक्सीलेंस

मुख्यमंत्री ने तीन घोषणाएं कीं। जिनमें डॉ राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (रूपाम) के एआई सेंटर आफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। पंचायतों और नगर निकायों के कार्मिकों की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा और ह्याराइट पर्सन फार द राइट रोलल्लू की अवधारणा को प्रभावी बनाया जाना शामिल है।

दायित्व समझने की क्षमता विकसित करना आवश्यक
ग्राम पंचायतों, नगर पंचायतों, नगर पालिका परिषदों और नगर निगमों के कार्मिकों का क्षमता विकास प्राथमिकता होनी चाहिए। डिग्री और नियुक्ति पर मिलना ही किसी को योग्य अभियंता या सक्षम अधिकारी नहीं बनाता। नई तकनीक अपनाने, परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने और दायित्व समझने की क्षमता विकसित करना आवश्यक है।

प्रशासनिक सुधारों में उत्तर प्रदेश मॉडल : डॉ जितेंद्र सिंह
केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रशासनिक सुधारों के जरिए नागरिकों का विश्वास बढ़ाने वाली व्यवस्था विकसित की जा रही है। सरकारी सेवाओं को रसल, पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश ने प्रशासनिक सुधारों और क्षमता विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय पदर्शन कर देश के सामने मॉडल प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि मिशन कर्मयोगी में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान और आइ-गाट कर्मयोगी प्लेटफार्म पर सर्वाधिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे करना महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। प्रशासन को रूल बेस्ड हटिकेण से आगे बढ़ाकर रोल बेस्ड कार्यप्रणाली अपनानी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेतृत्व में प्रदेश सुशासन और प्रशासनिक क्षमता विकास में राष्ट्रीय मॉडल के रूप में भूमिका निभाता रहेगा।

होता। नागरिक संतुष्टि ही लोकसेवक का रिपोर्ट कार्ड है। अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यक्षमता, उपलब्धियों तथा सफलता को वार्षिक गोपनीय आख्या (एसीआर) और पदोन्नति से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि समस्याओं को जानबूझकर लंबित करवाने की प्रवृत्ति को खत्म हो गई है। इनमें पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की सीट शामिल है। इन सीटों

‘गश्त के तय तरीकों से हटती है चीनी सेना’

○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को चीन के साथ सीमा के मुद्दे पर सरकार का रुख स्पष्ट किया। यह बयान आईटीबीपी के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के उस कथित बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में चीनी सेना (पीएलए) के साथ लगातार आमने-सामने की स्थिति का जिक्र किया था।

एमईए के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी प्रेस ब्रीफिंग में कहा, जहां तक इस मामले की खास जानकारी का सवाल है, मैं आपको रक्षा मंत्रालय से संपर्क करने के लिए कहूंगा। जैसा कि हम पहले भी बता चुके हैं, भारत-चीन

सीमा क्षेत्रों में स्थिति समय-समय पर तब बिगड़ती है, जब चीनी सेनाएं गश्त के तय तरीकों का पालन नहीं करती हैं। उन्होंने आगे कहा, दोनों देश लंबित मुद्दों को सुलझाने और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर मतभेदों को कम करने के लिए मौजूदा राजनयिक और सैन्य व्यवस्थाओं का इस्तेमाल जारी रखे हुए हैं। दोनों देश सीमा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए उपयुक्त क्षेत्रों में एलएसी की समझ बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए भी सहमत हुए हैं। मैं इस बात पर भी जोर देना चाहूंगा कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना दोनों देशों के आपसी संबंधों के समग्र विकास के लिए जरूरी है।

कैंसर की दवाएं 70 प्रतिशत तक होंगी सस्ती

○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

कैंसर का इलाज पहले से ही मरीजों और उनके परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ डालता है। महंगी दवाओं के कारण कई परिवारों को अपनी जमा पूंजी खर्च करनी पड़ती है। ऐसे में केंद्र सरकार ने कैंसर की दवाओं की कीमतों को कम करने की दिशा में एक प्रस्ताव पेश किया है। सरकार को उम्मीद है कि इस कदम से कुछ कैंसर की दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य यानी एमआरपी में 20 से 70 फीसदी तक की कमी आ सकती है। इससे मरीजों को हर साल करीब 2,500 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है।

कैंसर की दवाओं की कीमतें कैसे कम होंगी?

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में बताया है कि वह कैंसर की दवाओं पर व्यापारिक मार्जिन को उनकी अधिकतम खुदरा कीमत यानी एमआरपी के 30 फीसदी तक सीमित करने की योजना बना रही है। व्यापारिक मार्जिन वह रकम होती है, जो दवा बनाने वाली कंपनी से लेकर वितरक और खुदरा विक्रेता तक दवा की बिक्री में कमाते हैं। सरकार का मकसद इस कमाई पर सीमा लगाकर दवाओं की कीमतों में होने वाली अत्यधिक बढ़ोतरी को रोकना है। हालांकि, यह प्रस्तावित व्यवस्था है। इसे लागू करने से पहले संबंधित दवाओं की सूची और दूसरे जरूरी पहलुओं पर फैसला होना बाकी है।

सरकार को हर साल 2,500 करोड़



रुपये की बचत की उम्मीद क्यों है?

सरकार का अनुमान है कि व्यापारिक मार्जिन की सीमा तय होने से कैंसर की दवाओं की कीमतें 20 से 70 फीसदी तक घट सकती हैं। इससे मरीजों को अपनी जेब से इलाज पर कम पैसा खर्च करना पड़ेगा। केंद्र ने कहा है कि इस कदम का उद्देश्य दवाओं को सस्ता बनाने के साथ उनकी उपलब्धता और कीमतों में पारदर्शिता बढ़ाना भी है। सरकार ने यह प्रस्ताव दवाओं की कीमतों के नियमन से जुड़ी एक जनहित याचिका के जवाब में सुप्रीम कोर्ट में दाखिल

हलफनामे में रखा है। यह याचिका डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ ने दायर की है।

किन कैंसर की दवाओं पर लागू हो सकता है यह नियम?

केंद्र सरकार के मुताबिक, प्रस्तावित व्यवस्था के तहत कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं को शामिल किया जाएगा, लेकिन कम कीमत वाली दवाओं को इससे बाहर रखा जा सकता है। दवाओं की अंतिम सूची तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति बनाई गई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 9 अक्टूबर को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में इस समिति का गठन किया था। समिति से 10 से 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट देने की उम्मीद है।

क्या सरकार पहले भी दवाओं की कीमतें घटा चुकी है?

केंद्र सरकार ने हलफनामे में वर्ष 2019 में उठाए गए कदम की भी जिक्र किया है। उस समय एनपीएफ ने कैंसर की 42 चुनी हुई गैर-अनुसूचित दवाओं पर व्यापारिक मार्जिन 30 फीसदी तक सीमित किया था। सरकार के मुताबिक, इस फैसले से 526 बांड की दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य में कमी आई थी और कंपनियों से मिली जानकारी के आधार पर मरीजों को हर साल करीब 984 करोड़ रुपये की बचत हुई थी। सरकार अब इसी अनुभव के आधार पर अधिक दवाओं को इस तरह के नियमन के दायरे में लाने पर विचार कर रही है। इसके अलावा, सरकार ने मधुमेह और हृदय संबंधी कुछ दवाओं, कोरोनरी स्ट्रेट, घुटने के प्रत्यारोपण और कौविड के दौरान ऑक्सिजन कंसंट्रेटर समेत कुछ चिकित्सा उपकरणों की कीमतों पर भी कदम उठाए हैं।

वाएं सस्ती करवें से उनकी उपलब्धता पर असर पड़ सकता है?

सरकार ने माना है कि व्यापारिक मार्जिन की सीमा तय करने से दवा उद्योग के अलग-अलग हिस्सों पर अलग असर पड़ सकता है। कुछ उद्योग संगठनों ने चिंता जताई है कि इससे छोटे और मध्यम दवा निमाताओं, वितरकों और खुदरा विक्रेताओं के कारोबार तथा रोजगार पर असर पड़ सकता है। इंटरराज के इलाकों में दवाएं पहुंचाने में भी परेशानी हो सकती है। सरकार के मुताबिक, कुछ कम कीमत वाली दवाओं, विशेष रखरखाव वाली दवाओं और कम बिक्री वाली दवाओं को दुकानों तक पहुंचाने के लिए ज्यादा मार्जिन जरूरी हो सकता है। इसलिए सरकार ने कहा है कि दवाओं को सस्ता करने और उनकी उपलब्धता बनाए रखने के बीच संतुलन जरूरी है।

भाजपा नेता के छोटे भाई की गला काटकर हत्या

सिर पर धारदार हथियार से किए गए थे कई बार

○ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

बीती रात उधारी के रुपए मांगने पर घर से ले जाकर भाजपा नेता के भाई की सिर व गले पर धारदार हथियार से हमला कर साथियों ने हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलने क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं मृतक की बड़े भाई की तहरीर पर पुलिस ने एक नामजद सहित अन्य साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव राजपुरा निवासी महेश पुत्र दीवान सिंह ने बताया कि 6 भाइयों में पांचवे नंबर का छोटा भोला उम्र 36 टूक चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। छोटे भाई भोला से बिजोलकापुरा निवासी सोनू पुत्र खेत सिंह ने एक



लाख रुपए उधार लिए थे। गुरुवार की शाम साढ़े पांच बजे के करीब सोनू घर आया और छोटे भाई भोला को घर से बाइक पर बैठाकर ले गया। वहीं मृतक का बड़ा भाई वीकेश भाजपा में मंडल आईटी सेल प्रभारी है। वहीं रात्रि में गुर्जा खंडेर के सामने नागर रोड पर खाली पड़े राकेश के घर के पास धारदार हथियार से सिर व गला काटकर हत्या कर दी गई। मृतक के भाई महेश का कहना था कि ऐसा लग रहा था। कि भाई

भोला को जमीन पर डालकर हत्या की है जिससे खून के छंटे जमीन पर काफी दूर तक पड़े थे। वहीं घटना की जानकारी पुलिस को 11:48 बजे के करीब हुई जानकारी मिलते एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद फतेहाबाद पुलिस व फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन किए। वहीं मृतक के बड़े भाई महेश की तहरीर पर सोनू व अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं आरोपी सोनू घर छोड़कर मौके से फरार हो गया। वहीं पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

वहीं मृतक की तीन बेटी है। बेटी आस्था उम्र 8 वर्ष , तान्या उम्र 6 वर्ष, वंशिका 3 वर्ष इन मासूम बच्चियों को ये तक नहीं पता है कि उनके सिर से पिता का साया उठ गया है। बेटियों व पत्नी राखी का र-

रोकर बुरा हाल है। वहीं बेटी अपनी मां से लिपट कर रो रही थी।और कह रही थी कि मां पापा को किसने मार दिया गया है।

मौत की खबर सुनते ही पौी ही बेसुध

पत्नी राखी को अपने पति की मौत की खबर मिली तो राखी बेसुध हो गई। और बिलख बिलख रोने लगी।परिवार की महिलाएं किसी तरह राखी के ऊपर पानी डालकर होश में लाने की कोशिश कर रही थी।पत्नी राखी होश आने के बाद एक ही बात को कह रह थी कि अब बेटियों को किसके सहारा पालूंगी जिसे देख वहां मौजूद सभी की आंखों से आंसू टपकने लगे।

डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल से बात करने पर बताया कि मृतक के भाई की तहरीर पर एक नामजद सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश की जा रही है।

एकीकृत कृषि प्रणाली के अंतर्गत मक्का से साइलेज बनाने की तकनीक का प्रदर्शन

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी द्वारा उपकार, लखनऊ वित्तपोषित एकीकृत कृषि प्रणाली परियोजना के अंतर्गत आगरा के बिचपुरी और अछनेरा ब्लॉक से चयनित किसानों को मक्का से साइलेज बनाने की तकनीक का प्रदर्शन किया गया।

इस प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य पशुओं के लिए वर्षभर गुणवत्तायुक्त हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा चारे की कमी के दौरान पशुपालन को सुचारु बनाए रखना था। इस दौरान किसानों को मक्का चारे की उचित अवस्था में कटाई, बारीक कतराई, अच्छी तरह दबाकर भराई तथा साइलेज बैग द्वारा वायुरोधी भंडारण की वैज्ञानिक विधियों की जानकारी दी गई। वैज्ञानिकों ने किसानों को प्रशिक्षण में बताया कि साइलेज ऐसी तकनीक है जिसमें गैर दलहन की चारा फसलों जैसेकि ज्वार, बाजरा, मक्का, जई, संकर बाजरा नेपियर



इत्यादि को हरी अवस्था में काटकर कुट्टी करके वायुरहित बैग या गट्टों में भरा जाता है जिससे वह 40-45 दिन में एक अच्छा आहार बन जाता है। इस दौरान किसानों को मक्का चारे की उचित अवस्था में कटाई, बारीक कतराई, अच्छी तरह दबाकर भराई तथा साइलेज बैग द्वारा वायुरोधी भंडारण की वैज्ञानिक विधियों की जानकारी दी गई।

वैज्ञानिकों ने किसानों को प्रशिक्षण में बताया कि साइलेज ऐसी तकनीक है जिसमें गैर दलहन की चारा फसलों जैसेकि ज्वार, बाजरा, मक्का, जई, संकर बाजरा नेपियर

तथा पशुओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने में मदद मिलती है। यह तकनीक पशुओं के स्वास्थ्य, दुग्ध उत्पादन और किसानों की आय में सुधार के साथ-साथ एकीकृत कृषि प्रणाली को अधिक टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

यह तकनीकी कार्यक्रम परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ गौरेंद्र गुप्ता, वैज्ञानिक एवं टीम के अन्य सदस्य द्वारा निर्देशित हुआ और प्रक्षेत्र स्तर में प्रबंधन यंग प्रोफेशनल डॉ महेश कुमार सिंह द्वारा किया गया।

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज, आगरा के रेडियोडायग्नोसिस विभाग में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और आधुनिक डिजिटल तकनीक का लाभ देने के लिए 'PACS' (Picture Archiving and CommunicationSystem) सेवा का भव्य शुभारंभ किया गया। कॉलेज के प्राचार्य व डीन प्रोफेसर डॉ. प्रशांत गुप्ता ने फीता काटकर इस अत्याधुनिक प्रणाली का आधिकारिक उद्घाटन किया।

इस अवसर पर रेडियोडायग्नोसिस विभाग के विभागाध्यक्ष (HOD) डॉ. हरि सिंह, उप प्रधानाचार्य डॉ. टी.पी. सिंह, प्रमुख अधीक्षक डॉ. ब्रजेश शर्मा सहित डॉ. अंकुर गोयल, डॉ. शैलेंद्र चौधरी, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. अखिल प्रताप सिंह, डॉ. निखिल शर्मा, डॉ. करिश्मा गुप्ता, डॉ. अजय श्रीवास्तव, डॉ. वी.पी. पांडेय, तमाम रेडिजेंट डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

PACS तकनीक से मिलने

कैंटर की टक्कर से लोडर पलटा, चालक घायल

○ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

बाह-फतेहाबाद मार्ग पर शुक्रवार सुबह सामने से आ रहे कैंटर की टक्कर से सामान से भरा लोडर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में लोडर चालक घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए भेजा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नोएडा निवासी प्रदीप पुत्र जोगेंद्र लोडर में सामान लेकर नोएडा से कानपुर जा रहा था। शुक्रवार सुबह वह बाह-फतेहाबाद मार्ग पर पहुंचा, तभी सामने से आ रहे कैंटर ने लोडर में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही लोडर चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन सड़क पर पलट गया। हादसे में चालक प्रदीप घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और निष्पक्ष और स्वतंत्र के लिए अस्पताल भिजवाया।

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष माहौल में संपन्न हुआ मतदान

- स्नातक में 45.95% और शिक्षक सीट पर 56.28% वोटिंग
- जिलाधिकारी गनीष बंसल ने कलेक्ट्रेट, जीआईसी और एल मुनि जैन कॉलेज सहित कई बूथों का किया औपक निरीक्षण

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन- 2026 की मतदान प्रक्रिया शुक्रवार को पूरे जनपद में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से सकुशल संपन्न हो गई। जनपद में स्नातक निर्वाचन हेतु कुल 45.95 प्रतिशत तथा शिक्षक निर्वाचन हेतु 56.28 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 8:00 बजे से मतदान शुरू हुआ। मतदान प्रक्रिया को सुचारु बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन



अधिकारी मनीष बंसल ने कलेक्ट्रेट, राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) और रत्न मुनि जैन इंटर कॉलेज सहित विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस बल की तैनाती का जायजा लिया तथा वहां मौजूद मतदाताओं से संवाद कर निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से मताधिकार का प्रयोग करने की

अपील की।

चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने पर जिलाधिकारी मनीष बंसल ने मतदान ड्यूटी में लगे सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रशासनिक व पुलिस टीम को बधाई दी। साथ ही, लोकतंत्र के इस पर्व में बड़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए सभी मतदाताओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

एस.एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा में आधुनिक PACS डिजिटल सेवा का शुभारंभ सीटी स्कैन, एमआरआई और एक्स-रे की त्वरित रिपोर्टिंग से मरीजों को मिलेगी राहत



वाले प्रमुख लाभ:

त्वरित डिजिटल रिपोर्टिंग: सीटी स्कैन (CT Scan), एमआरआई (MRI) और डिजिटल एक्स-रे की इमेज अब सेकंडों में डिजिटल फॉर्मेट में उपलब्ध होंगी, जिससे मरीजों को फिल्म के इंतजार में समय नहीं गंवाना पड़ेगा।

इमरजेंसी व गंभीर मरीजों को

राहत: आईसीयू, इमरजेंसी और विभिन्न वाडों में तैनात चिकित्सक अब सीधे अपने कंप्यूटर सिस्टम या डिजिटल स्क्रीन पर मरीज की रेडियोलॉजी रिपोर्ट देख सकेगे, जिससे तुरंत इलाज शुरू करना संभव होगा।

डिजिटल आर्काइव व सुरक्षा: मरीजों का मेडिकल डेटा और

रेडियोलॉजी रिकॉर्ड लंबे समय तक सुरक्षित रहेगा, जिससे भविष्य में इलाज के दौरान पुरानी रिपोर्ट देखना बेहद आसान हो जाएगा। फिल्म-लेस एवं पर्यावरण-अनुकूल: डिजिटल शेयरिंग से एक्स-रे और सीटी फिल्मों पर निर्भरता कम होगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा

सहकारी समितियों पर पर्याप्त खाद उपलब्ध, कालाबाजारी पर होगी कार्रवाई

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

रबी अभियान-2026 के तहत फसलों की बुआई के लिए आगरा जनपद के किसानों को सुगमता से खाद उपलब्ध कराने के वास्ते सहकारिता विभाग पूरी तरह तैयार है। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता ने जानकारी दी है कि शासन की मंशा के अनुरूप किसानों को निर्धारित मूल्य पर पारदर्शी तरीके से उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में समितियों के गोदामों में 1176.000 मीट्रिक टन यूरिया व 1329.300 मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक उपलब्ध है, जबकि पोसीएफ बफर में 12826.000 मीट्रिक टन यूरिया व 2692.000 मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक रखा गया है। खाद की निरंतर आपूर्ति बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी के स्तर से शासन से 2 अतिरिक्त रैक डीएपी की मांग भी की गई है।

किसान भाइयों को तय कीमत पर आसानी से खाद मिल सके, इसके लिए मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशानुसार ग्राम विकास अधिकारियों, पंचायत अधिकारियों और जिला स्तरीय अधिकारियों को समितिवार नोटल अधिकारी बनाया गया है। जिले की 100 पंजीकृत समितियों में से 96 समितियों, 2 सहकारी संघों और 2 क्रय-विक्रय केंद्रों पर सुचारु रूप से वितरण जारी है। कागरील, निवोहरा, खेड़ा साध और जारौली समितियों के किसानों को निकटवर्ती समितियों से संबद्ध कर उर्वरक दिया जा रहा है, जबकि कुकथला एवं अभैदोपुरा के किसानों के लिए 25 अक्टूबर को इफको

- जिले में यूरिया और डीएपी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद, किसानों से अप्वाहों से बढ़ने की अपील
- निगमाली के लिए नोटल अधिकारी तैनात, शिकायत दर्ज कराने को जारी हुआ कंट्रोल रूम नंबर 8881508310

बाजार, अछनेरा से विशेष वितरण कराया जाएगा।

सहकारिता व कृषि विभाग की संयुक्त टीमें बिन्नी केंद्रों का औपेक निरीक्षण कर रही हैं। यदि कहीं भी कालाबाजारी या टैगिंग की शिकायत मिलती है तो उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। किसान किसी भी समस्या या शिकायत के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर 8881508310 पर प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा में एमएलसी चुनाव के दौरान लोकतंत्र की तपिश ने एक ऐसा हैरान करने वाला रूप दिखाया, जिसे देखकर किसी का भी दिल पसीज जाए। ताजगंज थाना क्षेत्र की पुरानी मंडी मतदान केंद्र के बाहर जो कुछ हुआ, उसने चुनावी मैदान को अखाड़े में तब्दील कर दिया। प्रशासन के दोहरे रवैये और वाहनों की आवाजाही को लेकर उपजा विवाद इतना बढ़ा कि समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल का सब्र टूट गया, और वह कैमरों के सामने ही बच्चों की तरह फूट-फूटकर रो पड़े।

आंसुओं में छिपा दर्द और वह सनसनीखेज चेतावनी

भावुकता और गुस्से के उस चरम पर सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश



अग्रवाल ने एक ऐसा बयान दे डाला, जिसने वहां मौजूद हर शख्स को स्तब्ध कर दिया और पूरे प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी। रुंधे गले और नम आंखों से उन्होंने कहा कि यदि उनके साथ इसी तरह का अन्याय और भेदभाव होता रहा, तो वह तंग आकर सीधे लखनऊ की शाही जामा मस्जिद जाएंगे और इस्लाम कबूल कर लेंगे।

उनके इस अप्रत्याशित और सनसनीखेज बयान ने पलभर में चुनावी माहौल को बेहद तनावपूर्ण और संवेदनशील बना दिया।

क्या था पूरा विवाद? गाड़ियों की एंट्री पर झड़के सपा कार्यकर्ता

सूत्रों और समर्थकों के अनुसार, सारा बखेड़ा मतदान केंद्र के पास गाड़ियों के आने-जाने को लेकर

- सुबह छह बजे हुआ हादसा
- सड़क किनारे खड़े टेम्पो में गंदी टक्कर
- पुलिस मैक्स को थाने ले गई

दी। गनीमत रही कि टेम्पो में कोई सवार नहीं था, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। बताया गया कि पुलिस मैक्स गाड़ी को थाने ले गई।

पिढ़ौरा में हत्या और मारपीट के मामले में पुलिस की कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

○ टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

थाना पिढ़ौरा क्षेत्र में हत्या और मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो नामजद आरोपियों को मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई है।

जानकारी के अनुसार गांव विठौली निवासी वादी समर वाल्मीकि पुत्र रमेश चंद्र ने थाने में तहरीर देकर अवगत कराया था कि 3 अक्टूबर

को उनका भाई क्रिस पास की दुकान से सामान लेने गया था। आरोप कि इसी दौरान विजय सिंह, चरण सिंह समेत अन्य लोगों के साथ विवाद हो गया। विवाद के दौरान आरोपियों ने भाई क्रिस और उसके परिवजनों के साथ मारपीट की थी। जिसमें क्रिस के पिता रमेश चंद्र, माता सोने देवी, बहन गीता देवी और अन्य परिवजन घायल हो गए थे।मारपीट में गंभीर घायल युवक क्रिस को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया,

जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अधिकारियों द्वारा टीम गठित की गई थी। शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस मुकदमे में नामजद विजय और चरण सिंह उर्फ छोटू निवासी ग्राम बिठौली को गोपालपुरा भदरौली मार्ग से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेशकर कार्रवाई की गई।

 सम्पादकीय
भारत में हस्तशिल्प एवं कुटीर उद्योगों का पुनरोद्धार 'वोकल फॉर लोकल' का व्यापक शंखनाद
देश के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य की जड़ों को मजबूती प्रदान करने के विशाल अभियान में हमारे पारंपरिक हस्तशिल्प, हथकरघा और ग्रामीण कुटीर उद्योगों ने प्राचीन काल से ही भारत की आत्मा और स्वाभिमान को जीवंत रखने का ऐतिहासिक कार्य किया है। वैश्विक बाजारों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मशीन निर्मित उत्पादों की अंधी होड़ के बावजूद भारतीय कारीगरों की सूक्ष्म उंगलियों से निर्मित अद्वितीय कलाकृतियों, मिट्टी के बर्तनों और स्वदेशी वस्त्रों की मांग पूरी दुनिया में आज भी बेहद तेजी से बढ़ रही है। राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे 'वोकल फॉर लोकल' अभियान, 'एक जिला एक उत्पाद' यानी ओडीओपी योजना और पारंपरिक कलाओं को जीआई टैग प्रदान करने के ऐतिहासिक फैसलों ने हमारे हाथिये पर खड़े ग्रामीण कारीगरों के जीवन में एक नई आशा और उत्साह का संचार किया है। घटना के इस अत्यंत महत्वपूर्ण, संवेदनशील और दूरगामी पहलू पर गहराई से विचार करें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि जब तक हमारी पारंपरिक कलाएं और ग्रामीण कुटीर उद्योग आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं होंगे तब तक सच्चे भारत का वास्तविक और सर्वसमावेशी विकास अधूरा ही रहेगा। डिजिटल प्लेटफॉर्मस, सोशल मीडिया मार्केटिंग और आधुनिक ई-कॉमर्स माध्यमों से सीधे जुड़ने के कारण आज हमारे छोटे-छोटे बुनकरों, मूर्तिकारों और शिल्पकारों को बिचौलियों के भयंकर शोषण से मुक्ति मिल रही है तथा उनकी खून-पसीने की मेहनत का उचित मूल्य सीधे उनके बैंक खातों में पहुंच रहा है। तथापि केवल सरकारी प्रदर्शनियों, मौसमी मेलों या मंचों से दिए जाने वाले खोखले भाषणों तक इस क्षेत्र को सीमित रखने के बजाय इन स्वदेशी उद्योगों को आधुनिक डिजाइनिंग, अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पैकेजिंग, ब्रांडिंग और रियायती दरों पर आसान ऋण उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी और अनिवार्य आवश्यकता है। प्रशासनिक अमले, उद्योग विशेषज्ञों और नीति नियंताओं को यह भली-भांति समझना होगा कि स्वदेशी कुटीर उत्पादों का संरक्षण और संवर्धन केवल एक मामूली आर्थिक विषय पर नहीं है बल्कि यह हमारी सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान, धरोहर और राष्ट्रीय स्वाभिमान से जुड़ा अत्यंत पवित्र प्रश्न है। आवश्यकता इस बात की है कि हम सभी भारतीय अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों को गर्व के साथ अपनाएं ताकि हमारी यह सदियों पुरानी जीवंत कला विरासत न केवल जीवंत रहे बल्कि वैश्विक पटल पर एक नई और भव्य पहचान कायम कर सके।

अनसुने प्रसंग– क्षेपक कथा

चालीस दिनों तक भूखे रहकर अपने अंतिम भोजन का ग्रास भी याचक को सहर्ष सौंप दिया था

भक्तमाल और श्रीमद्भागवत महापुराण के पावन इतिहास में चंद्रवंशी राजा रंतिदेव की परम दयालुता, असीम त्याग और निष्काम सेवा भावना की यह अमर कथा संपूर्ण मानव समाज के लिए करुणा की पराकाष्ठा प्रस्तुत करती है। प्राचीन काल में राजा रंतिदेव अपनी विशाल दानशीलता और प्रजा के प्रति अगाध वात्सल्य भाव के लिए पूरे संसार में विख्यात थे। एक बार उनके राज्य में भयंकर सूखा और अकाल पड़ा जिससे पूरी प्रजा अन्न और जल की बूंद-बूंद के लिए तरसने लगी। दयालु राजा रंतिदेव ने अपने राजकोष और अन्न भंडार के समस्त द्वार प्रजा के लिए खोल दिए और स्वयं अपने परिवार के साथ निराहार रहकर तपस्वी जीवन जीने लगे। लगातार चालीस दिनों तक बिना अन्न और जल ग्रहण किए राजा और उनका परिवार अत्यंत क्षीण और दुर्बल हो गया। इकतालीसवें दिन भाग्यवश राजा रंतिदेव को थोड़ा सा जल, खीर और हलवा प्राप्त हुआ जिसे वे ग्रहण करने ही वाले थे। तभी उनके द्वार पर एक भूखा ब्राह्मण आ गया और राजा ने बिना एक पल भी सोचे अपने भोजन का एक बड़ा भाग उस ब्राह्मण को सहर्ष अर्पित कर दिया। शेष बचे भोजन को जब वे खाने लगे तब एक शुद्र याचक आ गया और राजा ने परम संतोष के साथ भोजन का दूसरा भाग भी उसे दे दिया।

तत्पश्चात कुत्तों के एक समूह के साथ आए एक अन्य याचक ने अन्न की गुहार लगाई तो राजा ने बचा हुआ समस्त भोजन भी सहर्ष उन जीवों को समर्पित कर दिया। अब केवल थोड़ा सा जल ही शेष बचा था जिसे राजा पीने ही वाले थे कि तभी एक अत्यंत प्यासा चांडाल वहां पहुंचा और जल की भीख मांगने लगा। राजा रंतिदेव ने अपने प्राणों की चिंता किए बिना वह शीतल जल उस चांडाल को पिलाते हुए प्रार्थना की कि हे प्रभु मुझे मोक्ष या सिद्धियाँ नहीं चाहिए बल्कि मुझे केवल प्राणियों का दुख हरने की शक्ति प्रदान करें। राजा की इस अनुपम निष्काम दया और त्याग को देखकर ब्रह्मा, विष्णु और महेश साक्षात अपने दिव्य स्वरूप में वहां प्रकट हो गए। देवताओं ने राजा रंतिदेव को अपनी दिव्य लीला का रहस्य बताते हुए उन्हें तथा उनकी प्रजा को अखंड सुख और समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान किया। यह पावन प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि स्वयं कष्ट सहकर भी असहाय जीवों और पीड़ितों की सेवा करना ही दुनिया का सबसे बड़ा धर्म और भक्ति है।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल
कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज से करें!

	मेष आज कार्यक्षेत्र में आपके साहस और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। सूर्य देव को लाल पुष्प और जल अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों। वृष आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और पुराने सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। किसी जरूरतमंद को गेहूं या तांबे का बर्तन दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे। मिथुन आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रूके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतिযোগिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाते वाला रहेगा। आदित्य हृदय स्तोत्र का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और अप्रत्याशित वृद्धि होती है।
--	---

	बृज खंडेलवाल
“हमें इस देश में एक भी ऐसी परियोजना दिखाइए, जिसका इन कथित पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया हो... हर मामले को अदालत में घसीट लिया जाता है... इस देश में ऐसी याचिकाएं सिर्फ विकास परियोजनाओं को रोकने के लिए दाखिल की जाती हैं।” ये तीखी टिप्पणियां 11 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट की उस पीठ ने कीं, जिसकी अगुवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत कर रहे थे। मामला गुजरात के पीपावाव बंदरगाह के विस्तार और आधुनिकीकरण की पर्यावरण मंजूरी को चुनौती देने वाली याचिका का था। इन टिप्पणियों ने एक अहम सवाल खड़ा कर दिया है। क्या कुछ स्वयंभू पर्यावरण रक्षक सचमुच प्रकृति बचा रहे हैं, या पर्यावरण की चिंताओं को आर्थिक तरक्की रोकने का हथियार बना रहे हैं? भारत को साफ हवा, बढ़ती नदियां और सुरक्षित जंगल चाहिए। लेकिन देश को बांध, बिजलीघर, बंदरगाह, सड़कें और उद्योग भी चाहिए। समस्या तब शुरू होती है, जब बिना ठोस जांच के हर परियोजना को पर्यावरण के लिए खतरा बता दिया जाता है। नर्मदा बांध, टिहरी बांध और मथुरा रिफाइनरी की कहानियां बताती हैं कि पर्यावरण की हिफाजत और आर्थिक विकास के बीच संतुलन कितना जरूरी है। पर्यावरण के नाम पर आंदोलन करना गलत नहीं है। लेकिन कुछ अभियानों में खतरे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए जाते हैं। विशेषज्ञों की जांच पूरी होने से पहले ही विनाश की भविष्यवाणियां होने लगती हैं, और फिर प्रचार, प्रदर्शन और मुकदमों का सिलसिला चल पड़ता है। एक जाना-पहचाना चक्र बन गया है: खतरे की घंटी बजाओ, सुर्खियां बटोरें, अदालत पहुंचो, फल्लू लगाओ और परियोजना को लटका दो। फिर अगली परियोजना के खिलाफ मोर्चा खोल दो। क्या कुछ अभियानों के पीछे निहित स्वार्थ भी काम करते हैं? इसकी जांच बन गया है: खतरे की घंटी बजाओ, सुर्खियां बटोरें, अदालत पहुंचो, फल्लू लगाओ और परियोजना को लटका दो। फिर अगली परियोजना के खिलाफ मोर्चा खोल दो। क्या कुछ अभियानों के पीछे निहित स्वार्थ भी काम करते हैं? इसकी जांच बन गया है: खतरे की घंटी बजाओ, सुर्खियां बटोरें, अदालत पहुंचो, फल्लू लगाओ और परियोजना को लटका दो। फिर अगली परियोजना के खिलाफ मोर्चा खोल दो। नर्मदा: विरोध के बीच विकास के फायदे मेधा पाटकर और नर्मदा बचाओ आंदोलन ने दशकों तक नर्मदा घाटी की बड़ी बांध परियोजनाओं का विरोध किया। सरदार सरोवर बांध इस आंदोलन का प्रमुख निशाना रहा।	

सरदार सरोवर बांध ने गुजरात के कई हिस्सों में पानी की उपलब्धता बढ़ाई है। इसकी विशाल नहर व्यवस्था नर्मदा का पानी सौराष्ट्र और कच्छ जैसे सूखाग्रस्त इलाकों तक पहुंचाती है। जिन गांवों और कस्बों में पीने के पानी की समस्या दशकों पुरानी थी, वहां अब जलापूर्ति कहीं ज्यादा भरोसेमंद हुई है। खेती को भी फायदा मिला है। सिंचाई से किसानों की मानसून पर निर्भरता घटी है, फसलों को पानी मिला है और ग्रामीण आमदनी बढ़ाने के अवसर बने हैं। नहर व्यवस्था राजस्थान के कुछ हिस्सों तक भी पहुंचती है। गुजरात में पानी की कमी लंबे समय से विकास की राह में बड़ी बाधा रही है, और ऐसे इलाकों तक पानी पहुंचाने के दूसरे विकल्प कहीं ज्यादा मुश्किल और महंगे साबित होते। मध्य प्रदेश को भी नर्मदा घाटी विकास परियोजना से लाभ मिला है। इंदिरा सागर बांध की बिजली उत्पादन क्षमता 1,000 मेगावाट है, और यह सिंचाई व कृषि गतिविधियों को भी सहारा देता है। य फायदे सरकारी कागजों पर लिखे बंद पर नहीं हैं। पानी, बिजली और सिंचाई लोगों की ज़िंदगी पर सीधा असर डालते हैं। टिहरी बांध: इंजीनियरिंग की बड़ी चुनौती उत्तराखंड का टिहरी बांध भी विकास और पर्यावरण के बीच लंबे संघर्ष का केंद्र रहा है।

उज्जैन की बेटी अमिता गौड़ ने छुआ आसमान– रूस में स्काइडाइविंग का ए-प्रमाणन हासिल किया

डॉ. दीपक गोस्वामी

सपनों को ऊँचाई देने के लिए केवल हौसला ही नहीं, बल्कि अनुशासन, प्रशिक्षण और निरंतर अभ्यास भी आवश्यक है। उज्जैन की अमिता गौड़ ने रूस में लगभग एक महीने का स्काइडाइविंग प्रशिक्षण पूरा कर-के इस दिशा के अनुसार, उनका प्रशिक्षण रूस के ग्रोन्नी में हुआ। हालाँकि, प्रमाणपत्र जारी करने वाली संस्था और उसके अंतर्गत प्राप्त योग्यता के स्वतंत्र सत्यापन के लिए आधिकारिक दस्तावेज आवश्यक हैं। अमिता का साहसिक खेलों से जुड़ाव नेपाल में बंजी जॉरिंग के अनुभव से शुरू हुआ। इसके बाद स्काइडाइविंग के प्रति उनकी रूचि बढ़ी और उन्होंने इसे विधिवत सीखने का निर्णय लिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने हवा में शरीर का संतुलन बनाए रखने, अलग-अलग दिशाओं में मुड़ने, हवा में आगे बढ़ने, पैराशूट



को नियंत्रित करने तथा सुरक्षित लैंडिंग जैसी तकनीकों का अभ्यास किया।

उनके अनुसार, खराब मौसम और प्रतिकूल परिस्थितियों ने प्रशिक्षण को चुनौतीपूर्ण बनाया। इसके बावजूद उन्होंने अभ्यास जारी रखा और प्रशिक्षण पूरा किया। लगभग 5,500 फीट की ऊँचाई से किए जाने वाले हार्डीप एंड पॉपह्व जंप को भी उन्होंने चुनौतीपूर्ण बताया। इस प्रक्रिया में निर्धारित प्रशिक्षण और सुरक्षा निदेशों के अनुसार विमान से निकलने के बाद शीघ्र पैराशूट खोलने का अभ्यास किया जाता है।

स्काइडाइविंग केवल रोमांच का खेल नहीं है। इसमें तकनीकी दक्षता, शारीरिक नियंत्रण, परिस्थितियों का आकलन और सुरक्षा नियमों का पालन अत्यंत

पर्यावरण के रक्षक या विकास के दुश्मन?

चाहिए। विरोध की तीव्रता से तय नहीं होता कि कोई परियोजना सही है या गलत। टिहरी दिखाता है कि बड़ी इंजीनियरिंग परियोजनाएं कठिन चुनौतियों के बावजूद सफल हो सकती हैं, पर सुरक्षा में कभी लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मथुरा रिफाइनरी: उद्योग बनाम ताजमहल मथुरा की तेल रिफाइनरी ने विकास और पर्यावरण के बीच एक और कठिन सवाल खड़ा किया। 1970 के दशक में जब इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने रिफाइनरी की योजना बनाई, तो संरक्षणवादियों ने चिंता जताई कि इससे निकलने वाला प्रदूषण करीब 40 से 50 किलोमीटर दूर स्थित ताजमहल को नुकसान पहुंचा सकता है। यह चिंता बेबुनियाद नहीं थी। सल्फर डाइऑक्साइड और दूसरे प्रदूषक अम्लीय जमाव का कारण बन सकते हैं, जिससे संगमरमर और दूसरी संवेदनशील सतहों को नुकसान पहुंचता है। ताजमहल की हिफाजत बेहद जरूरी है, इसलिए सावधानी बरतना स्वाभाविक था।

विरोध बढ़ा और विशेषज्ञ समितियों ने संभावित असर की जांच की। आखिरकार जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ रिफाइनरी को मंजूरी मिली और 1982 में इसका संचालन शुरू हुआ। आलोचकों को आश्चंा थी कि प्रदूषण से ताजमहल धीरे-धीरे पीला पड़ जाएगा और पूरे इलाके की हवा खराब होगी।

फिर क्या हुआ? समय के साथ रिफाइनरी की प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्थाएं बेहतर हुईं, जिनमें सल्फर रिकवरी और स्वच्छ ईंधन बनाने की तकनीकें शामिल हैं। ताजमहल की सुरक्षा के लिए व्यापक ताज ट्रेपोजियम जोन में भी कई पाबंदियां लगाई गई हैं। इस विवाद ने औद्योगिक प्रदूषण और ऐतिहासिक धरोहरों की सुरक्षा पर ध्यान बढ़ाया और यह संदेश मजबूत किया कि विवेकसिद्ध स्मारक के आसपास उद्योगों को कड़े पर्यावरणीय मानकों का पालन करना चाहिए। दूसरी तरफ, रिफाइनरी का आर्थिक महत्व भी है। यह उत्तरी भारत और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को पेट्रोलियम उत्पाद पहुंचाती है, और इसकी क्षमता सालाना 60 लाख टन से बढ़कर 80 लाख टन हो गई है। रिफाइनरी रोजगार, सरकारी राजस्व, औद्योगिक गतिविधियों और ईंधन आपूर्ति में योगदान देती है, और तकनीकी सुधारों से स्वच्छ ईंधन उत्पादन में भी मदद मिली है। क्या ताजमहल की सुरक्षा से समझौता करके ये फायदे हानििल किए जा सकते थे? बिल्कुल

नहीं। लेकिन क्या प्रदूषण के जोखिम भर से यह निष्कर्ष निकाल लेना चाहिए कि रिफाइनरी बननी ही नहीं चाहिए थी? इस निष्कर्ष के लिए भी ठोस सबूत चाहिए। रिफाइनरी का संचालन और उसके साथ बढ़ती पर्यावरणीय पाबंदियां बताती हैं कि उद्योग और धरोहर संरक्षण साथ चल सकते हैं, बशर्तें सुरक्षा उपाय प्रभावी हों और उनका लगातार पालन हो। सबक यह नहीं कि पर्यावरणीय चेतावनियों को खारिज कर दिया जाए। सबक यह है कि चेतावनियों के जवाब में बेहतर नियम, स्वच्छ तकनीक और नतीजों की नियमित जांच होनी चाहिए। हर उद्योग को बिना सोचे-समझे खारिज कर देना समाधान नहीं है। विकास को चाहिए सबूत, अंतहीन मुकदमे नहीं पीपावाव बंदरगाह का मामला इस बहस को फिर सामने ले आया है। 11 मई 2026 की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण संरक्षण के नाम पर विकास परियोजनाओं को बार-बार चुनौती देने की प्रवृत्ति पर सवाल उठाए। इस चिंता पर गंभीरता से विचार होना चाहिए, क्योंकि जब बुनियादी ढांचे की परियोजनाएं लंबे मुकदमों में उलझती हैं, तो नुकसान केवल सरकार या कंपनियों का नहीं होता। देरी से लागत बढ़ती है, रोजगार टलते हैं और निवेशकों का भरोसा डगमगा सकता है। जरूरी सुविधाएं वर्षों तक अधूरी रह सकती हैं। इसकी सबसे ज्यादा मार गरीब और पिछड़े इलाकों पर पड़ती है, जिन्हें पानी, बिजली, सड़क और रोजगार की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। भारत को विकास और पर्यावरण में से किसी एक को चुनने की जरूरत नहीं है। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है, जिसमें परियोजना बनाने वालों और उसका विरोध करने वालों, दोनों को अपने पक्षों के समर्थन में सबूत देने पड़ें। कानून टूटे तो अदालतों को हस्तक्षेप करना चाहिए, लेकिन मुकदमेबाजी तथ्य-आधारित फैसलों में उलझती है, जो नुकसान बढ़ाती हैं। तीनों उदाहरण एक ही निष्कर्ष की ओर ले जाते हैं। नर्मदा बताती है कि बांध पानी और बिजली देने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। टिहरी दिखाता है कि बड़े इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट कितने उपयोगी हो सकते हैं, पर उनकी सुरक्षा की निरंतर निगरानी भी जरूरी है। मथुरा बताती है कि उद्योग और धरोहरों का संरक्षण साथ चल सकते हैं, बशर्तें पर्यावरणीय नियमों का प्रभावी पालन हो। हर परियोजना का आंख मूंदकर विरोध करना सही रास्ता नहीं है। भारत को असली पर्यावरण रक्षक चाहिए, बैठे-बिठाए खतरे निनाने वाले नहीं। देश को सुरक्षा उपायों के साथ विकास चाहिए, बिना सबूत के अड़ेली नहीं।

पर्यावरण के रक्षक या विकास के दुश्मन?

महत्वपूर्ण होता है। इसलिए अमिता की उपलब्धि के साथ उनके प्रशिक्षण, अभ्यास और अनुशासन को समझना भी आवश्यक है।

अमिता के ए-प्रमाणन को मध्य प्रदेश की पहली महिला स्काइडाइवर की उपलब्धि के रूप में कुछ समाचार माध्यमों ने प्रस्तुत किया है। इस दावे की आधिकारिक पुष्टि के लिए संबंधित प्रमाणन संस्था अथवा उपलब्ध अभिलेखों का सत्यापन अपेक्षित है। इसी प्रकार, प्रमाणपत्र के आधार पर स्वतंत्र रूप से स्काइडाइविंग करने की पात्रता उसकी जारीकर्ता संस्था के नियमों पर निर्भर करेगी।

अमिता की कहानी का प्रेरक पक्ष यह भी है कि वे अपने भविष्य को लेकर सक्रिय हैं। प्रकाशित समाचारों में उनके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का उल्लेख है। साहसिक खेलों और अध्ययन के बीच संतुलन बनाने का प्रयास युवाओं को यह संदेश देता है कि स्पष्ट लक्ष्य, समय का सदुपयोग और निरंतर परिश्रम जीवन में नए अवसर खोल सकते हैं।

अमिता उज्जैन के वरिष्ठ पत्रकार तथा ह्यमालवा मंत्रभट्ट के प्रधान संपादक लक्ष्मी नारायण गौड़ की पुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और परिचितों में प्रसन्नता होना स्वाभाविक है। माता-पिता के लिए यह गर्व का विषय होता है कि उनकी संतान अपनी रुचि को कोशल में बदलकर स्वयं की पहचान बनाए।

अमिता की उपलब्धि नारी सशक्तीकरण के व्यापक

प्रश्न को भी सामने रखती है। बेटियों को केवल सपने देखने की प्रेरणा देना पर्याप्त नहीं; उन्हें शिक्षा, प्रशिक्षण, आर्थिक सहयोग और सुरक्षित अवसर उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। साहसिक खेलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित मार्गदर्शकों, उचित सुविधाओं और सुरक्षा मानकों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

अंतिम जन के परिवारों में भी ऐसी अनेक प्रतिभाएँ हैं, जिन्हें अवसर और संसाधन मिलने पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का मौका मिल सकता है। प्रतिभा किसी आर्थिक या सामाजिक वर्ग तक सीमित नहीं होती। आवश्यकता ऐसी व्यवस्था की है, जिसमें योग्यता को प्रोत्साहन मिले और आर्थिक अभाव किसी युवा के सपनों की राह में अनावश्यक बाधा न बने।

अमिता गौड़ की उपलब्धि से यही प्रेरणा मिलती है कि अपनी रुचि को गंभीरता से लिया जाए, आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त किया जाए और कठिनाइयों के बीच धैर्य बनाए रखा जाए। सच्चा साहस जोखिम की अनदेखी करना नहीं, बल्कि विवेक, तैयारी और सुरक्षा के साथ चुनौती का सामना करना है।

उज्जैन को इस बेटी को उनकी उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ। उनकी आगे की यात्रा सफल हो और उनके प्रयास अन्य बेटियों को भी अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने का विश्वास दें।

दिनांक 25 अक्टूबर 2026 रविवार
सफेक की कहानी का प्रेरक पक्ष यह भी है कि वे अपने भविष्य को लेकर सक्रिय हैं। प्रकाशित समाचारों में उनके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का उल्लेख है। साहसिक खेलों और अध्ययन के बीच संतुलन बनाने का प्रयास युवाओं को यह संदेश देता है कि स्पष्ट लक्ष्य, समय का सदुपयोग और निरंतर परिश्रम जीवन में नए अवसर खोल सकते हैं।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल	दिनांक 25 अक्टूबर 2026 रविवार	सफेक की कहानी का प्रेरक पक्ष यह भी है कि वे अपने भविष्य को लेकर सक्रिय हैं। प्रकाशित समाचारों में उनके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का उल्लेख है। साहसिक खेलों और अध्ययन के बीच संतुलन बनाने का प्रयास युवाओं को यह संदेश देता है कि स्पष्ट लक्ष्य, समय का सदुपयोग और निरंतर परिश्रम जीवन में नए अवसर खोल सकते हैं।	अमिता की कहानी का प्रेरक पक्ष यह भी है कि वे अपने भविष्य को लेकर सक्रिय हैं। प्रकाशित समाचारों में उनके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का उल्लेख है। साहसिक खेलों और अध्ययन के बीच संतुलन बनाने का प्रयास युवाओं को यह संदेश देता है कि स्पष्ट लक्ष्य, समय का सदुपयोग और निरंतर परिश्रम जीवन में नए अवसर खोल सकते हैं।
कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज से करें!	प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपके सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी अंश से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात से बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।		
	मेष आज कार्यक्षेत्र में आपके साहस और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। सूर्य देव को लाल पुष्प और जल अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों। वृष आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और पुराने सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। किसी जरूरतमंद को गेहूं या तांबे का बर्तन दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे। मिथुन आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रूके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाते वाला रहेगा। आदित्य हृदय स्तोत्र का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और अप्रत्याशित वृद्धि होती है।	मेष आज कार्यक्षेत्र में आपके साहस और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। सूर्य देव को लाल पुष्प और जल अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों। वृष आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और पुराने सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। किसी जरूरतमंद को गेहूं या तांबे का बर्तन दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे। मिथुन आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रूके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाते वाला रहेगा। आदित्य हृदय स्तोत्र का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और अप्रत्याशित वृद्धि होती है।	मेष आज कार्यक्षेत्र में आपके साहस और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। सूर्य देव को लाल पुष्प और जल अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों। वृष आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और पुराने सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। किसी जरूरतमंद को गेहूं या तांबे का बर्तन दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे। मिथुन आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रूके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाते वाला रहेगा। आदित्य हृदय स्तोत्र का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और अप्रत्याशित वृद्धि होती है।

में जाकर दर्शन करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृद्धिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। सूर्य चालीसा का पाठ करें जिससे आपके सभी विरोधी और शत्रु शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। जरूरतमंद विद्यार्थियों को पठन सामग्री दान करें जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हो।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। बहते जल में थोड़ा सा गुड़ प्रवाहित करें जिससे आपके

करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक सझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफ़ा मिलेगा। पक्षियों को दाना डालें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी वरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसंगी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। सूर्य देव के दर्शन कर-के दिन की शुरुआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

रविवार के दिन घर की पूर्व दिशा को पूरी तरह स्वच्छ और प्रकाशमान रखकर वहां तांबे का सूर्य यंत्र स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर लाल चंदन का तिलक लगाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा भगवान सूर्य नारायण की कृपा से घर में अखंड आरोग्य, तेज और सर्वत्र विजय का वास होता है।

हेमा मालिनी की ‘गंगा’ ने बांधा समां

नृत्य से जीवंत हुई शिव की जटाएं और भगीरथ की तपस्या !

❶ **टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।**

वृंदावन स्थित नवनिर्मित स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह में पदमश्री हेमा मालिनी की प्रस्तुति नृत्य नाटिका मां गंगा के साथ ब्रजरज उत्सव की सांस्कृतिक गतिविधियों का शुभारंभ हुआ। मां गंगा की महिमा के साथ नदियों के संरक्षण और स्वच्छता का संदेश सिने अभिनेत्री एवं सांसद पद्मश्री हेमा मालिनी की ह्यमंगलह् में नृत्य, संगीत और भावपूर्ण अभिनय के जरिए इन प्रसंगों को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, संत विजय कौशल महाराज, सांसद तेजवीर सिंह, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष

शैलजाकांत मिश्र और सीईओ लक्ष्मी नागप्पन सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

सर्व प्रथम गणेश वंदना हुई तदोपरांत हेमा मालिनी ने मां गंगा की भूमिका में तीन दर्जन से अधिक कलाकारों के साथ नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। इसमें गंगा के पृथ्वी पर अवतरण की पौराणिक कथा को प्रमुखता से दर्शाया गया। राजा भगीरथ की तपस्या, अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए गंगा को पृथ्वी पर लाने का उनका संकल्प और भगवान शिव द्वारा गंगा की वेगवती धारा को अपनी जटाओं में धारण करने के प्रसंगों ने दर्शकों को आध्यात्मिक भाव से जोड़ा। शास्त्रीय नृत्य की भाव-भंगिमाओं,



संगीत और नाटकीय दृश्यों और तकनीक के माध्यम से गंगा की महिमा तथा मानव जीवन में उनके महत्व को रेखांकित किया गया।

नृत्य नाटिका में गंगा की यात्रा को चार युगों के परिप्रेक्ष्य में भी दर्शाया गया। पौराणिक आख्यानों के साथ

एमएलसी चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, शिक्षक निर्वाचन में 53.72% मतदान

डीएम-एसएसपी ने 10 मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

- स्नातक निर्वाचन में 42.40% हुआ मतदान
- शिक्षक निर्वाचन में 53.72% मतदाताओं ने डा़ले वोट
- 27 अक्टूबर को होगी मतगणना

❶ **टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।**

जनपद में 19 मतदेय स्थल स्नातक निर्वाचन क्षेत्र तथा 19 मतदेय स्थल शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मतदानसकुशल एवं शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक के 05 एवं खण्ड शिक्षक के 06 निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन 2026 को निष्पक्ष, सकुशल, सुचितापूर्वक तथा



शांतिपूर्वक संपन्न कराने हेतु 10 मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। क्षेत्र पंचायत कार्यालय मथुरा, राजकीय इंटर कॉलेज मथुरा, सुभाष इंटर कॉलेज मथुरा, श्री चम्पा अग्रवाल इंटर कॉलेज मथुरा, क्षेत्र पंचायत कार्यालय बल्देव,क्षेत्र पंचायत कार्यालय राया,नगर निगम

मथुरा वृंदावन कार्यालय वृंदावन जोन,क्षेत्र पंचायत कार्यालय फरह, क्षेत्र पंचायत कार्यालय गोवर्धन,क्षेत्र पंचायत कार्यालय नंदगांव।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक एवं खण्ड शिक्षक के निर्वाचन क्षेत्रों का द्विवार्षिक

निर्वाचन जनपद के 15 मतदान केंद्रों पर सकुशल एवं शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जनपद में 19 मतदेय स्थल स्नातक निर्वाचन क्षेत्र तथा 19 मतदेय स्थल शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के थे। जनपद में 15 मतदान केंद्र स्नातक निर्वाचन क्षेत्र तथा 15 मतदान केंद्र शिक्षक निर्वाचन

- तीन दर्जन से अधिक कलाकारों ने दी प्रस्तुति
- भगीरथ की तपस्या और शिव की जटाओं का प्रसंग जीवंत
- गंगा-यमुना समेत नदियों को स्वच्छ रखने का संदेश
- 24 अक्टूबर से धौलीप्याऊ में शुरू होगी अन्य गतिविधियां

भारतीय इतिहास और सांस्कृतिक चेतना से जुड़े प्रसंगों ने प्रस्तुति को व्यापक स्वरूप दिया।

नृत्य नाटिका का एक महत्वपूर्ण पक्ष गंगा की वर्तमान स्थिति और प्रदूषण की समस्या रहा। इसमें दिखाया गया कि भारतीय संस्कृति में जीवनदायिनी और मोक्षदायिनी मानी जाने वाली गंगा आज मानवीय

उत्तर भारत के प्रमुख उत्सवों में अपनी पहचान ब्रजरज उत्सव

स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि ब्रजरज उत्सव उत्तर भारत के प्रमुख उत्सवों में अपनी पहचान बना चुका है। इसमें प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक की सहभागिता रही है। उन्होंने कहा कि उत्सव की पहली प्रस्तुति के रूप में सांसद हेमा मालिनी की नृत्य नाटिका ने आयोजन को विशिष्ट आयाम दिया है। सांसद तेजवीर सिंह ने आयोजन को ब्रज की संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह के निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सांसद हेमा मालिनी के योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संत विजय कौशल महाराज ने मां गंगा की महिमा का वर्णन किया।

लापरवाही और प्रदूषण से आहत हैं। भावपूर्ण दृश्यों के माध्यम से नदियों की पीड़ा को सामने रखते हुए यमुना सहित अन्य नदियों को स्वच्छ रखने और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण की आवश्यकता का संदेश दिया गया। धार्मिक आस्था, शास्त्रीय नृत्य और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता का संगम बनी इस प्रस्तुति ने दर्शकों को गंगा के

आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व से जोड़ा।

इस अवसर पर संत बलराम दास महाराज, संत गोविंदानंद तीर्थ, डॉ. आदित्यानंद महाराज, श्रीवत्स गोस्वामी, महंत सुंदर दास महाराज, विधायक पूरन प्रकाश, आगरा रेल मंडल के डीआरएम गगन गोंयल और भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र चौधरी सहित अन्य गणमान्य

लोग मौजूद रहे।

ब्रजरज उत्सव के अंतर्गत इस बार मथुरा के साथ वृंदावन के नवनिर्मित स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह में भी सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मथुरा के धौलीप्याऊ स्थित रेलवे ग्राउंड पर 24 अक्टूबर से उत्सव की अन्य गतिविधियां शुरू होंगी। यहां शनिवार को वंदनाश्री और ईशान मिश्रा की प्रस्तुतियां होंगी।

4 लाख से बनेगी गणेश मंदिर की सड़क, 20 लाख से बनेगा नाला

सांसद प्रतिनिधि और पार्षद ने किया निर्माण कार्यों का शुभारंभ

- मुख्य मार्ग पर होगा इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण
- तमोली धर्मशाला तक बनेगी सड़क
- राधाकृष्ण वाटिका में बनेगा 200 मीटर लंबा सीसी नाला

❶ **टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।**

नगर निगम के वार्ड 36 जयसिंहपुरा की गणेश मंदिर के मुख्यद्वार से लेकर तमोली धर्मशाला तक इंटरलाकिंग सड़क और नाली निर्माण का सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा व पार्षद/कैबिनेट सदस्य राकेश भाटिया ने विधि विधान से नारियल फोड़कर किया। यहां पर पहुंचे सांसद प्रतिनिधि और पार्षद का स्थानीय लोगों ने माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा और पार्षद राकेश भाटिया ने बताया कि त्वरित योजना के तहत



इस सड़क का निर्माण किया जा रहा है।

करीब 94 लाख रुपए से बनने वाली मुख्य सड़क से आवागमन में लोगों को काफी राहत मिलेगी। काफी समय से इस मार्ग की हालत काफी खराब हो चुकी थी। इस सड़क के बनने से लोगों को काफी राहत मिल सकेगी। इसके अलावा राधाकृष्ण वाटिका में करीब 200 मीटर सीसी नाला

निर्माण का भी शुभारंभ किया गया। यह नाला करीब 20 लाख रुपए से बनेगा। इस नाला निर्माण से भी सड़क पर पानी नहीं बहेगा। इस मौके भाजपा नेता रवि शर्मा, आशु खंडेलवाल, ज्ञान नारायण अग्रवाल, मुकेश कुमार, नीरज रावत, उमेश बघेल, हरिओम शर्मा, गंगाराम सोनी, सुनील शर्मा, सनी ठाकुर, नरेंद्र, सोनू कुमार आदि मौजूद रहे।

मथुरा में आगरा खंड शिक्षक-स्नातक एमएलसी चुनाव संपन्न

सपा नेताओं ने वर्तमान सरकार पर बोला तीखा हमला

❶ **टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।**

उत्तर प्रदेश में हो रहे शिक्षक और स्नातक एमएलसी चुनावों के तहत आज आगरा खंड निर्वाचन क्षेत्र में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण और जिम्मेदारी के साथ संपन्न हुई। मथुरा के बूथ संख्या 78, सुभाष इंटर कॉलेज पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों शिक्षक वित्तविहीन वर्ग से डॉ. आकाश अग्रवाल और स्नातक वर्ग से शशांक यादव उर्फ सीटू के समर्थन में सपा कार्यकर्ताओं ने पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई।

मतदान प्रक्रिया के दौरान विधायक प्रत्याशी अनिल अग्रवाल के आगमन की सूचना मिलते ही वृंदावन के परिक्रमा मार्ग पर भक्तों का ताता लग गया। उनके दर्शन पाने के लिए सुदूर क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। महाराज के सानिध्य और दिव्य दर्शन पाकर भक्त धन्य हो गए। इस दौरान पूरे मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्ष कर उनका भावुक स्वागत किया गया। संकीर्ण और श्राधे-राधेश के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा, जिससे धर्मनगरी में एक बार फिर अतूठा आध्यात्मिक दृश्य देखने को मिला।

संत प्रेमानंद महाराज 14 दिन बाद अपनी पदयात्रा पूरी कर लौटे वृंदावन, केलीकुंज आश्रम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

❶ **टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।**

धर्मनगरी वृंदावन में एक बार फिर आध्यात्मिक और भक्तिमय माहौल देखने को मिला है। संत प्रेमानंद महाराज मांटे क्षेत्र स्थित यमुना विहार आश्रम से अपनी पदयात्रा पूरी करने के बाद वृंदावन स्थित श्रीहित राधा केलीकुंज आश्रम वापस लौट आए हैं। उनके पुनः आश्रम आगमन और इस विशेष पदयात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में अभूतपूर्व उत्साह और उल्लास का माहौल है। संत प्रेमानंद महाराज के आगमन की सूचना मिलते ही वृंदावन के परिक्रमा मार्ग पर भक्तों का ताता लग गया। उनके दर्शन पाने के लिए सुदूर क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। महाराज के सानिध्य और दिव्य दर्शन पाकर भक्त धन्य हो गए। इस दौरान पूरे मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्ष कर उनका भावुक स्वागत किया गया। संकीर्ण और श्राधे-राधेश के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा, जिससे धर्मनगरी में एक बार फिर अतूठा आध्यात्मिक दृश्य देखने को मिला।



उत्तर प्रदेश की 11 सीटों पर हो रहे यह एमएलसी चुनाव छात्रों और शिक्षकों के भविष्य का सीधा चुनाव हैं। डॉ. शबनम कुरैशी ने आरोप लगाया कि लगातार संघर्ष के बाद भी वर्तमान सरकार ने हमारे हक और अधिकार को छीना है। छात्रों के सुनहरे भविष्य के लिए केवल समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ही एकमात्र विकल्प हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने

पर शिक्षकों को सम्मानजनक मानदेय दिया जाएगा। साथ ही, उन्होंने कहा कि सपा की सरकार ही बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं के खिलाफ हो रही घटनाओं से जनता को निजात दिला सकती है। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एकजुटता और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए उत्तर प्रदेश में भविष्य में समाजवादी पार्टी की

सरकार बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम और मतदान स्थल पर मुख्य रूप से विधायक प्रत्याशी अनिल अग्रवाल, राजेश कंडेरे, रमेश सैनी, एडवोकेट गौरव किशनपुरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष तुलसीराम शर्मा, एडवोकेट विभौर गौतम, प्रशांत अग्रवाल, मुन्नी देवी समेत अनेक कर्मठ कार्यकर्ता और समाजवादी साथी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संचालित करने में सहयोग किया।

कृष्णा नगर मोहन हलवाई के सामने बस ने महिला को कुचला

❶ **टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।**

मथुरा के कृष्णा नगर चौराहे पर शुक्रवार शाम दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार 40 वर्षीय महिला की मौत हो गई। प्राइवेट बस की टक्कर से हुई इस घटना के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। परिजनों ने शव को चौराहे पर रखकर जाम लगा दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया। हालात ऐसे बने कि जिलाधिकारी और एसएसपी का काफिला भी जाम में फंस गया।

- प्राइवेट बस की टक्कर से महिला की मौत
- शव चौराहे पर रख परिजनों ने लगाया जाम
- जाम में फंसा डीएम-एसएसपी का काफिला

थाना कोतवाली क्षेत्र की कृष्णा नगर चौकी अंतर्गत चौराहे की घटना है। शुक्रवार शाम करीब साढ़े चार बजे प्राइवेट बस और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार 40 वर्षीय गुड्डी पत्नी देवीचरण, निवासी

देवपुरा, की मौके पर ही मौत हो गई। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। आक्रोशित परिजनों ने चौराहे पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और जाम लगा दिया। बताया जा रहा है कि परिजनों ने बस चालक को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन चालक मौके से फरार हो गया।

जाम के चलते चौराहे के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गई। इसी दौरान वहां से गुजर रहे जिलाधिकारी और

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का काफिला भी जाम में रुक गया।सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अब देखना होगा कि फरार बस चालक की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस क्या कार्रवाई करती है। परिजन बस का नंबर यूपी 85 एटी 3875 बता रहे हैं, लेकिन पुलिस इस पर मूक है।

मएलसी चुनाव में भिड़े भाजपा-सपा कार्यकर्ता, बूथ पर धक्का-मुक्की

सपा विधायक के बूथ पर पहुंचने को लेकर विवाद, दोनों पक्षों ने लगाए आरोप

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी चुनाव के मतदान के दौरान शुक्रवार को पटियाली में भाजपा और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। सपा विधायक नादिरा सुल्तान के मतदान केंद्र पर पहुंचने को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी कहासुनी हुई। देखते ही देखते धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई, जिससे बूथ पर हंगामा खड़ा हो गया। भाजपा ने विधायक पर मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश का आरोप लगाया, जबकि विधायक ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर अभद्रता करने का आरोप लगाया। घटना के बाद पटियाली में चुनावी माहौल गरमा गया।भाजपा नेता डीएस लोधी और नीरज मिश्रा ने आरोप लगाया कि सपा विधायक नादिरा सुल्तान मतदान केंद्र के अंदर पहुंचकर मतदान को प्रभावित करने की कोशिश कर रही थीं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन नियमों के अनुसार



जनप्रतिनिधियों को मतदान केंद्र के अंदर जाने की अनुमति नहीं है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस संबंध में पुलिस से शिकायत की। नीरज मिश्रा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने विवाद करने के बजाय प्रशासन से शिकायत करना उचित समझा। उन्हें प्रशासन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव में भाजपा के पक्ष में माहौल है और पार्टी जीत दर्ज करेगी।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि विधायक के साथ सपा समर्थक भी चुनाव को प्रभावित करने के

उद्देश्य से पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया में किसी तरह का दबाव बनाने या अनियमितता करने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। हालांकि, मतदान प्रभावित करने के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी।दूसरी ओर, सपा विधायक नादिरा सुल्तान ने भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह अपने समर्थकों के साथ मतदान केंद्र के बाहर शांतिपूर्वक खड़ी थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके साथ अभद्रता और बदतमीजी

10% कमीशन में बंटवारे का वीडियो वायरल, बीडीओ निलंबित डिटी सीएम केशव मोर्य के निर्देश पर कार्रवाई, वीडियो की जांच जारी

■ 21 अक्टूबर को वायरल हुआ था 53 सेकंड का वीडियो

■ 10% कमीशन में 4% अधिकारियों को देने की कथित बातचीत

■ DDO से CDO तक हिस्सेदारी का जिक्र

■ आरोपों की पुष्टि जांच के निष्कर्षों से होनी बाढ़ी

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

विकास कार्यों में कथित कमीशन के बंटवारे का गणित बताने वाले पटियाली विकास खंड के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) संजीव कुमार को निलंबित कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो



का संज्ञान लेते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रथमदृष्टया गंभीर अनियमितता के संकेत मिलने पर यह कदम उठाया गया।

21 अक्टूबर को इंटरनेट मीडिया पर बीडीओ संजीव कुमार का 53 सेकंड का एक वीडियो प्रसारित हुआ था। वीडियो में वह कथित तौर पर विकास कार्यों में मिलने वाले 10 प्रतिशत कमीशन में से चार प्रतिशत अधिकारियों को देने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं। बातचीत में जिला

विकास अधिकारी (डीडीओ) से लेकर मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) तक हिस्से के बंटवारे का जिक्र होने का दावा किया जा रहा है। वीडियो में 'सिस्टम बना हुआ है' और 'पूरा एक दे जाना, एक से कम नहीं लूंगा' जैसे शब्द भी सुनाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद विकास विभाग में हलचल मच गई थी और विकास कार्यों में कमीशनखोरी को लेकर सवाल उठने लगे थे। शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद बीडीओ संजीव कुमार को निलंबित कर दिया गया। मामले में सामने आए आरोपों की पुष्टि जांच के निष्कर्षों से होनी बाकी है।

गैंगेस्टर एक्ट में आरोपी को तीन साल की सजा

कासगंज। ढोलना थाना में दर्ज गैंगेस्टर एक्ट में दोषी पाए जाने पर एक आरोपी को तीन वर्ष के साधारण कारावास व पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। पुलिस के मुताबिक वर्ष 2024 में थाना ढोलना पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट के मामले में आरोपी हरपाल उर्फ हरिपाल पुत्र जयप्रकाश निवासी हनौता कासगंज के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया। गुरुवार को मामले में न्यायालय एडीजे एफटीसी प्रथम में सुनवाई की गई। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद हरपाल को दोषी पाया। दोष सिद्ध होने पर न्यायाधीश ने आरोपी को तीन वर्ष के साधारण कारावास एवं पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा नहीं करने पर आरोपी सात दिन का अतिरिक्त कारावास भी भुगतेंगा।

गोमती एक्सप्रेस में चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, जेवर बरामद कासगंज स्टेशन के प्लेटफॉर्म-1 से पकड़ा गया आरोपी राजू

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

थाना जीआरपी पुलिस ने गोमती एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रियों का सामान चुराने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गए जेवरदात (एक जोड़ी चांदी की पायल और मंगलसूत्र) तथा नकदी बरामद कर ली है। अभियुक्त का लंबा अपराधिक इतिहास रहा है और पूर्व में भी वह कई ट्रेनों में चोरियों को अंजाम दे चुका है।

बीती 05 अक्टूबर 2026 को प्रमोद कुमार अपने पुत्रवधू नीलम के साथ गोमती एक्सप्रेस ट्रेन (संख्या 19715) के स्लीपर कोच से जयपुर से फरख्ताबाद की यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान सफर में अज्ञात चोर ने उनकी पुरवधू



का लेडीज पर्स चुरा लिया, जिसमें चांदी की पायल, मंगलसूत्र और कुछ नकदी रखी थी।

घटना के बाद पीड़ित ने थाना जीआरपी फरख्ताबाद में जीर एफआईआर दर्ज कराई थी। मामला ट्रांसफर होकर थाना जीआरपी कासगंज पहुंचा, मुखबिर की सूचना पर धरा गया शातिर मुखबिर के इनपुट और पुलिस के अथक प्रयासों के बाद,

दिनांक 23 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 09:15 बजे जीआरपी पुलिस ने कासगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 01 से शातिर अभियुक्त राजू पुत्र वीरसहाय (निवासी ग्राम भड़पुरा, थाना सोरों, जिला कासगंज, उम्र करीब 40 वर्ष) को धर दबोचा। पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर चोरी गया माल बरामद कर लिया गया।

उपद्रव के मामले में नामजद आरोपी गिरफ्तार

कासगंज। अमापुर थाना पुलिस ने उपद्रव के मामले में नामजद एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से एक तमबा, एक कार्गूस बरामद किया है। अमापुर थाना प्रभारी निरीक्षक विकास सक्सेना ने बताया कि थाना में दर्ज उपद्रव के मामले में अग्रिम कार्रवाई करते हुए पुलिस ने वांछित आरोपी पवन सोलंकी पुत्र सुखवीर निवासी देवपुर अमापुर को गुरुवार की देर शाम सीओ सहावर दुर्गा कुमार मिश्र के नेतृत्व में सिद्धपुरा रोड से गिरफ्तार किया।

अशोक गौड़ को शिवसेना यूबीटी में मिली बड़ी जिम्मेदारी

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शिवसेना न्ठ उ्तर प्रदेश इकाई ने कासगंज निवासी अशोक गौड़ को अलीगढ़ मंडल का मंडल प्रमुख मनोनीत किया है। संगठन की ओर से 19 अक्टूबर 2026 को जारी नियुक्ति पत्र में उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई। यह मनोनयन संपर्क प्रमुख अशोक



सूर्यनारायण तिवारी की संस्तुति पर

■ विधायक पर मतदान प्रभावित करने का आरोप

■ सपा विधायक ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर लगाया अभद्रता का आरोप

■ दोपहर 12 बजे तक स्नातक में 19.11%, शि्षक में 24.40% मतदान

की। दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप के चलते पटियाली में मतदान के दौरान राजनीतिक तनातनी बनी रही।

उधर, दोपहर 12 बजे तक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कासगंज जिले में आगरा खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 19.11 प्रतिशत और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 24.40 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत स्नातक की तुलना में अधिक रहा।

स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कुल 9,925 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 1,897 मतदाताओं ने अपने

मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें 6,888 पुरुष और 3,037 महिलाएं पंजीकृत थीं। पुरुषों का मतदान प्रतिशत 19.51 और महिलाओं का 18.21 रहा। इस तरह कुल मतदान प्रतिशत 19.11 दर्ज किया गया।वहीं, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में कुल 1,291 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें से 315 मतदाताओं ने वोट डाले। यहां 1,008 पुरुष और 283 महिला मतदाता पंजीकृत थे। पुरुषों का मतदान प्रतिशत 25.99 और महिलाओं का 18.73 रहा। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में कुल मतदान प्रतिशत 24.40 दर्ज किया गया।

जिले में मतदान को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। इसी बीच पटियाली बूथ पर भाजपा और सपा कार्यकर्ताओं के बीच हुई कहासुनी ने चुनावी सरगमी बढ़ा दी। विधायक के मतदान केंद्र पर पहुंचने को लेकर उठे विवाद में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए। घटना के बीच जिले में मतदान प्रक्रिया जारी रही।

गुटखा-सिगरेट के पैसे मांगे तो दुकानदार को मारी गोली बाइक सवार तीन हमलावरों ने पेट में मारी गोली, अलीगढ़ रेफर

■ दो दिन पहले हुआ था पैसों को लेकर विवाद

■ नाबालिग पर दो साथियों संग हमला करने का आरोप

■ गोली लगने से 19 वर्षीय ललित गंभीर घायल

■ एएसपी-सीओ ने घटनास्थल का किया निरीक्षण

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

सदर कोतवाली क्षेत्र के नगला सैयद अहरीली में बृहस्पतिवार की देर शाम किराना की दुकान पर बैठे एक युवक को बाइक सवार तीन बदमाशों ने तमंचे से गोली मार दी। पेट में गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। घायल को जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद अलीगढ़ रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने



मामले की जांच शुरू कर दी है। नमला सैयद निवासी 19 वर्षीय ललित कुमार पुत्र सत्यप्रकाश अपनी किराना की दुकान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान एक बाइक पर सवार होकर आए तीन हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। तमंचे से चली गोली ललित के पेट में जा लगी, जिससे वह लहलुहान होकर नीचे गिर पड़ा। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

घायल युवक के बड़े भाई

दुराचार के मामले में वांछित चल रहे दो आरोपी गिरफ्तार

कासगंज। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दर्ज दुराचार के मामलों में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश किया है। सहावर थाना प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि थाना पुलिस ने दुराचार के मामले में वांछित आरोपी अमित पुत्र सतीश निवासी नगला कलुआ थाना सहावर को उसके घर से गुरुवार की देर शाम गिरफ्तार किया। थाना सिकन्दरपुर वैश्य के प्रभारी रंजीत कुमार ने बताया कि थाना में दर्ज किशोरी को अगवा कर उससे दुराचार करने के मामले में वांछित आरोपी जयसिंह पुत्र वेदराम निवासी नैथरा थाना सिकंदरपुर वैश्य के शुक्रवार को उसके गांव से गिरफ्तार किया है। संबंधित थाना पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की है।

एमएलसी चुनाव को लेकर पुलिस अलर्ट, बूथों पर बढ़ाई निगरानी

प्रभारी निरीक्षक ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

■ सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण मतदान

■ कई बूथों पर सुरक्षा व्यवस्था परखी

■ लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की वेतावनी

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

विधान परिषद स्नातक एवं शिक्षक द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के मद्देनजर शुक्रवार को थाना कोतवाली कासगंज पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आई। क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सकुशल माहौल में शुरू हो चुकी है, जिसके लिए पुख्ता पुलिस इंतजाम किए गए हैं।

निर्वाचन की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कासगंज ने पुलिस बल के साथ विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण एवं चेकिंग



अभियान चलाया। बूथ संख्या 148 एवं 149 पर तैनात पुलिस कर्मियों की ड्यूटी का जायजा लिया। नगर पालिका परिषद कासगंज स्थित मतदान केंद्र के बूथ संख्या 86, 87 एवं 147 का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखा। खंड विकास कार्यालय (ब्लॉक) कासगंज मीटिंग हॉल स्थित बूथ

संख्या 150 पर पहुंचकर चुनाव व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। प्रभारी निरीक्षक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और बाधा-रहित मतदान संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

36 पौआ देशी शराब समेत दो आरोपी गिरफ्तार

कासगंज। गंजडुंडवारा कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र से दो आरोपियों को 36 पौआ देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया है। गंजडुंडवारा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चमन कुमार गोस्वामी ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने फैजान पुत्र इरफान, अल्ला रख्खा पुत्र रशीद निवासीगण सुजावलपुर को धवा के कब्रस्तान के निकट से गिरफ्तार किया है। उनके पास से पुलिस ने 36 पौआ देशी शराब के बरामद कर अग्रिम कार्रवाई की है।

गैस सिलेंडर का धमाका, 14 साल के किशोर की मौत खाना बनाते समय हुआ हादसा, ढही छत

■ धमाके से मकान की छत गिराफट गिरी

■ मलबे में दब गया 14 वर्षीय प्रियायु

■ पुलिस और फायर ब्रिगेड ने चलाया राहत-बचाव अभियान

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।

नीरज ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए बताया कि दो दिन पहले सहावर गेट निवासी एक नाबालिग ने दुकान से गुटखा और सिगरेट खरीदा था। उधार या बकाया पैसे मांगने पर ग्राहक के साथ उसकी कहासुनी हो गई थी।आरोप है कि उसी पुरानी रींजश के चलते बृहस्पतिवार की शाम वह नाबालिग अपने दो अन्य साथियों के साथ मुंह बांधकर बाइक पर सवार होकर आया और उसके छोटे भाई ललित पर तमंचे से

फायर झोंक दिया। गोली सीधे पेट में लगने से ललित गंभीर रूप से घायल हो गया।

गोली चलने की आवाज से इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों और आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। आनन-फानन में परिजन घायल ललित को लेकर कासगंज जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद अलीगढ़ रेफर कर दिया। वारदात की सूचना

मिलते ही नदरई गेट चौकी पुलिस और सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक (एसपी) और क्षेत्राधिकारी (सीओ) ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ कर तथ्यों की छानबीन की।

“युवक को गोली लगने की सूचना मिलते ही उच्च अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया है। मामले के सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। घायल युवक को बेहतर इलाज के लिए अलीगढ़ रेफर कर दिया गया है। परिजनों की ओर से अभी तक कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, तहरीर मिलने पर नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।”

— आलोक सिंह, एसपी, कासगंज

गैस सिलेंडर का धमाका, 14 साल के किशोर की मौत खाना बनाते समय हुआ हादसा, ढही छत

■ धमाके से मकान की छत गिराफट गिरी

■ मलबे में दब गया 14 वर्षीय प्रियायु

■ पुलिस और फायर ब्रिगेड ने चलाया राहत-बचाव अभियान

○ टीएनएफ टुडे, कासगंज।



और शोर सुनकर ऊपर सो रही मां कविता दौड़कर नीचे आई, लेकिन तभी भीषण धमाके के साथ सिलेंडर फट गया। सिलेंडर के तेज विस्फोट से मकान की छत मलबे में तब्दील होकर नीचे आ गिरी, जिसकी चपेट में आकर प्रियांशु मलबे के नीचे दब गया।

मृतक पांच भाई हैं, जिनमें सबसे बड़ी पुत्री उपासना (16 वर्ष), मृतक प्रियांशु (14 वर्ष), खुशबू (12 वर्ष), विवेक (10 वर्ष) और सबसे छोटी पुत्री भावना (4 वर्ष) हैं। हंस्ता-खेलता परिवार इस अचानक हुए हादसे से पूरी तरह उजड़ गया है। माता-पिता और भाई-बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हादसे की सूचना मिलते ही के माध्यम से दोपहर करीब 12:49

बजे थाना कासगंज पुलिस को जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस की मोबाइल टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गई। कुछ ही देर में अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी सदर, फायर ब्रिगेड की टीम और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य करते हुए मलबे से किशोर के शव को बाहर निकाला। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों गैस सिलेंडर फटने के वास्तविक कारणों की तकनीकी जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्रकरण में नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।



भारत ने 9 विकेट से जीता पहला वनडे

श्री चरणी-क्रांति गौड़ के बाद प्रतिका रावल का धमाका, 1-0 की बढ़त बनाई

○ **एजेंसी, वडोदरा।**

भारतीय महिला टीम ने टी20 सीरीज के बाद वनडे में भी अपना दबदबा कायम रखा है। शुक्रवार को खेले गए पहले वनडे मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे को नौ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने पहले जिम्बाब्वे को 197 रन पर समेटा और फिर प्रतिका रावल की नाबाद शतकीय पारी के दम पर टीम को शानदार जीत दिलाई।

श्री चरणी की घातक गेंदबाजी, जिम्बाब्वे 197 रन पर आँलआउट

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम 49.5 ओवर में 197 रन बनाकर आँलआउट हो गई। भारत की ओर से श्री चरणी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 23 रन देकर चार विकेट झटके। वहीं, क्रांति गौड़ ने 42 रन देकर तीन विकेट हासिल किए, जबकि दीपति शर्मा को दो सफलताएं मिलीं। भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट चटकाकर जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी पर दबाव बनाए रखा। श्री चरणी ने सलामी बल्लेबाज मोडेस्टर मुपाचिकवा (25) और चिपो मुगैरी-तिरिपानो को आउट कर टीम को शुरूआती झटके दिए। इसके बाद उन्होंने न्याशा ग्वांजुरा (13) और मिशेल मावुंगा को पवेलियन



भेजकर जिम्बाब्वे की मुश्किलें बढ़ा दीं।

बिलव्ड बिजा ने संभाला मोर्चा

जिम्बाब्वे की ओर से बिलव्ड बिजा ने सबसे ज्यादा 62 रन बनाए। उन्होंने 92 गेंदों का सामना करते हुए पांच चौके लगाए और एक छोर संभालकर भारतीय गेंदबाजों का मुकाबला किया। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला और जिम्बाब्वे की पूरी टीम 200 रन का आंकड़ा छूने से पहले ही सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन के बावजूद फील्डिंग में टीम कुछ मौकों पर कमजोर नजर आई। शुरूआती ओवरों में मुपाचिकवा और मुगैरी-तिरिपानो के कैच छूटे, जबकि बाद में मिशेल मावुंगा का एक मुश्किल

प्रतिका रावल का नाबाद शतक

198 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय महिला टीम ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल ने शानदार शतक जड़ते हुए नाबाद पारी खेली और टीम को जीत तक पहुंचाया। इस दौरान पहले विकेट के लिए उन्होंने कप्तान स्मृति मंधाना के साथ 94 रनों की साझेदारी निभाई। मंधाना 32 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद प्रतिका को शेफाली वर्मा का साथ मिला। शेफाली भी शानदार फॉर्म में नजर आई और 64 रन बनाकर नाबाद रही। भारत ने 27.1 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 200 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम ने शुरूआत से ही रन गति बनाए रखी और जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को वापसी का मौका नहीं दिया। प्रतिका की शानदार बल्लेबाजी ने मुकाबले को एकतरफा बना दिया। भारत ने महज 27.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर नौ विकेट से बड़ी जीत दर्ज की।

सीरीज में भारत ने बनाई 1-0 की बढ़त

इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद टीम ने वनडे में भी अपनी लय बरकरार रखी। भारतीय गेंदबाजों और बल्लेबाजों के संयुक्त प्रदर्शन ने पहले मुकाबले में टीम की जीत सुनिश्चित की। अब भारतीय टीम की नजरें अगले वनडे में जीत दर्ज कर सीरीज में अपनी बढ़त मजबूत करने पर होगी।

कैच भी पकड़ने में भारतीय खिलाड़ी नाकाम रहें।

काँफी विद करण 9: हिंदी बोलने के लहजे की आलोचना पर क्या बोलीं रश्मिका?

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना हाल ही में अपने पति और चर्चित एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ करण जौहर के शो 'काँफी विद करण सीजन 9' में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर होने वाली

लर्गे। वे इस इलाके से आती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वे अपनी डायलॉग डिलीवरी पर टिप्पणियों को अपनी भाषा या फिल्म इंडस्ट्री चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी। 'काँफी विद करण सीजन 9' के हालिया एपिसोड में रश्मिका ने अपने किरदारों के लिए डबिंग और अलग-अलग तरह के कैरेक्टर चुनने पर भी बात की। रश्मिका की हिंदी डायलॉग डिलीवरी ने सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा है। कुछ दर्शकों ने उनके एक्सेंट पर सवाल उठाए हैं। साल 2025 में 'हॉरर कॉमेडी 'शामा' और 'कॉकटेल 2' के रिलीज होने के बाद यह चर्चा फिर से तेज हो गई थी। 'एनिमल', 'छावा' और 'सिकंदर' में उनकी एक्टिंग पर भी ऐसे ही रिएक्शन आए।

बोलीं- मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं

रश्मिका ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि साउथ इंडियन एक्सेंट को प्रॉब्लम क्यों माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे इससे कोई खास दिक्कत नहीं थी, क्योंकि उन्होंने कहा कि मेरा साउथ इंडियन एक्सेंट है, लेकिन मैं साउथ इंडिया से हूँ। इसलिए मेरा एक्सेंट तो होगा ही। इसके अलावा कुछ और सोचना गलत है'। अभिनेत्री ने कहा कि अगर कोई डायरेक्टर यह मानता है कि किसी दूसरे ऑर्टिस्ट की आवाज किसी किरदार पर ज्यादा सूट करेगी तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। हालांकि, उनके डायरेक्टर ने अब तक यही पसंद किया है कि वह खुद के लिए डब करें।

बोलीं- एक इंडस्ट्री तक सीमित नहीं रहना

रश्मिका ने कहा कि उनके पूरे करियर में उनकी परफॉर्मेंस, एक्टिंग, भाषा और एक्सेंट को लेकर आलोचनाएं होती रही हैं। वे नहीं चाहतीं कि ऐसे रिएक्शन उनकी चॉइंस को लिमिट करें। उन्होंने कहा, 'जब से मैंने फिल्म इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया है, तब से मेरी किसी न किसी चीज के लिए आलोचना होती रही है, चाहे वह मेरी परफॉर्मेंस हो, भाषा हो, एक्टिंग हो, एक्सेंट हो या कुछ भी हो। मैं कभी खुद पर कोई रुकावट नहीं डालना चाहती थी। मैं सिर्फ एक इंडस्ट्री में काम नहीं करना चाहती थी। मैं सभी का हिस्सा बनना चाहती हूँ। सिर्फ एक भाषा नहीं बोलना चाहती, सभी भाषाएं बोलना चाहती थी।



'बर्बाद करे अल्फाज मेरे', रणबीर कपूर ने मांगी माफी

रणबीर कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने पश्चिम बंगाल में दशहरा कार्यक्रम के दौरान अपने शब्दों के चुनाव के लिए माफी मांगी है। वेन्नाई में अपनी फिल्म 'रामायण' के म्यूजिकल इवेंट में अभिनेता ने इस विवाद पर बात की और माना कि र्योहरा पर अपनी बात रखते समय उनसे गलती हो गई थी।

क्या कहना चाहते थे रणबीर कपूर?

कार्यक्रम में बोलते हुए, रणबीर ने साफ किया कि वह असल में क्या कहना चाहते थे और अपनी जुबान फिसलने के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'मैं कल दशहरा कार्यक्रम के दौरान हुई एक घटना के लिए माफी मांगना चाहता हूँ। मुझसे बोलते समय गलती हो गई थी। मैं असल में यह कहना चाहता था कि 'बुराई चाहे कितनी भी ताकतवर क्यों न हो, आखिर में जीत सच्चाई और अच्छाई की ही होगी।'

रणबीर कपूर ने मांगी माफी

अभिनेता ने संगीतकार एआर रहमान के साथ अपने काम का भी जिक्र किया। उन्होंने फिल्म के एक गाने की पंक्ति का हवाला देते हुए बताया कि कभी-कभी अपनी बात को सही ढंग से कह पाना उनके लिए कितना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, 'इससे मुझे 'रॉकस्टार' में रहमान सर के साथ किए गए काम की याद आती है। मैं जो कहना चाहता हूँ वह है 'जो भी मैं कहना चाहता हूँ, बर्बाद करे अल्फाज मेरे'। इसलिए मैं इसके लिए सचमुच माफी मांगता हूँ।'

दशहरे पर क्या बोले थे रणबीर?

यह विवाद मंगलवार को तब शुरू हुआ जब रणबीर ने कोलकाता में एक कार्यक्रम में दशहरे के महत्व को संबोधित किया। उनके भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने कहा, 'दशहरा हमें एक बहुत खूबसूरत बात याद दिलाता है कि बुराई चाहे जितनी भी ताकतवर क्यों न हो, आखिर में अंत सच्चाई और अच्छाई की ही होगी।'

क्यों हुई रणबीर की आलोचना?

रणबीर का यह बयान दशहरे के उस संदेश से जुड़ा था, जिसमें बुराई पर अच्छाई की जीत की बात कही जाती है। हालांकि, उनके बयान में इस्तेमाल किए गए शब्दों, खासकर 'आखिर में अंत' वाले हिस्से ने लोगों का ध्यान खींचा। इसी वजह से सोशल मीडिया पर उनके इस बयान को लेकर चर्चा होने लगी।

कब रिलीज होगी 'रामायण'?

निवेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण: राइज ऑफ ए लेजेंड' में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, साई पल्लवी माता सीता और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण माल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने डीएनईजी और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के साथ मिलकर किया है। फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में 5 नवंबर को दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाली है। इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म को आईमैक्स समेत अन्य प्रीमियम फॉर्मेट में भी दिखाने की तैयारी है।

बीसीसीआई: परविंदर अवाना को मिली बड़ी जिम्मेदारी

○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज परविंदर अवाना को शुक्रवार को बीसीसीआई की नई जूनियर चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अवाना ने भारत के लिए दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 62 प्रथम श्रेणी मैचों में 191 विकेट लिए हैं। उन्होंने दिल्ली, इंडिया ए और शेष भारत का प्रतिनिधित्व करने के अलावा आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के लिए भी खेला।

समिति में कौन-कौन शामिल

क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, उन्होंने कोचिंग का रुख किया और दिल्ली की अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 टीमों के साथ-साथ भारत की अंडर-19 और विभिन्न बीसीसीआई/सीओई हार्ड-परफॉर्मेंस कार्यक्रमों के साथ काम किया। इस नई समिति के अन्य सदस्यों में कृष्णा दास, राकेश पटेल और एन. अर्जुन यादव शामिल हैं।

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने जूनियर क्रिकेट समिति के सदस्यों की नियुक्ति के लिए एक चयन प्रक्रिया का संचालन किया। सीएसी ने आवेदकों को छंटनी की और साक्षात्कार लिया तथा इस प्रक्रिया में कृष्णा दास, राकेश पटेल और एन. अर्जुन यादव के साथ-साथ परविंदर अवाना को चयन समिति के प्रमुख के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की।

कियारा को क्यों आया था शाहिद कपूर को थप्पड़ मारने का ख्याल?

क्या आप जानते हैं कि अभिनेत्री कियारा आडवाणी को अपने 'कबीर सिंह' के सह-कलाकार शाहिद कपूर को थप्पड़ मारने का मन हुआ था? लोकप्रिय चैट शो 'काँफी विद करण' में दोनों के आने पर कियारा ने खुलासा किया कि शाहिद ने उन्हें 'कबीर सिंह' के सेट पर आठ घंटे तक इंतजार कराया क्योंकि वह अगले सीन में कौन से जूते पहनेंगे, इस पर चर्चा में व्यस्त थे। एपिसोड के बिगो सेवशन के दौरान, कियारा ने बताया कि शूटिंग का मेरा तीसरा या चौथा दिन था, और मुझे आठ घंटे तक इंतजार कराया गया क्योंकि अगले सीन में शाहिद कौन से जूते पहनेंगे, इस पर चर्चा हो रही थी।

कियारा की बात से सहमत होते हुए होस्ट करण जौहर ने कहा कि अगर मुझे जूतों पर चर्चा के लिए आठ घंटे इंतजार कराया जाता, तो मैं भी थप्पड़ मार देता। 'कबीर सिंह' की बात करें तो 2019 में रिलीज हुई इस रोमांटिक फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी बांगा ने किया है। इस प्रोजेक्ट को टी-सीरीज फिल्म्स के बैनर तले भूषण कुमार और कृष्ण कुमार, और सिने। स्टूडियोज के बैनर तले मुराद खेतानी और अरविन वदे ने प्रोड्यूस किया है। गौरतलब है कि 'कबीर सिंह' बांगा की अपनी तेलुगु



फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' का रीमेक है, जिसमें विजय देवरकोंडा ने अभिनय किया था। कियारा की निजी जिंदगी की बात करें तो, वह जल्द ही अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा ? के साथ अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने वाली हैं। 7 अक्टूबर को कियारा और सिद्धार्थ ने सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी पोस्ट के जरिए अपनी दूसरी प्रेमेंसी की घोषणा की। इस जोड़े ने अपनी बच्ची साराया की एक प्यारी सी तस्वीर साझा की, जिसमें वह अपने माता-पिता

को हाथीदांत रंग के बुने हुए जूते दे रही है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "एक बार फिर सबसे बड़े उपहार से धन्य हो गए हैं... हमारा दिल प्यार और कृतज्ञता से भरा है।" खबरों के मुताबिक, सिद्धार्थ और कियारा को अपनी फिल्म 'शेरशाह' के सेट पर एक-दूसरे से प्यार हो गया था और उन्होंने फरवरी 2023 में राजस्थान में एक भव्य पारंपरिक समारोह में शादी की थी। उन्होंने जून 2025 में अपनी पहली संतान, एक बेटी का स्वागत किया।

तू है मेरी किरण: क्या तय तरीख पर रिलीज हो पाएगी सोनाक्षी की फिल्म?

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'तू है मेरी किरण' थिएटर पहुंचने के पहले कोर्ट पहुंच चुकी है। फिल्म के निर्मातओं के बीच अपनी समझौते को तोड़ने और भुगतान न करने के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि कोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ फिल्म रिलीज करने की इजाजत दे दी है।

सह निर्माताओं के क्या हैं आरोप?

फिल्म की सह-निर्माता कंपनी 'एंड मूवी प्रोडक्ट्स LLP' ने दूसरी निर्माण कंपनी के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की। इसमें उन्होंने बताया कि 'एश्लीन प्रोडक्शंस' ने फिल्म का निर्माण करते वक्त उनसे एक लीगल समझौता किया था। इसके अनुसार फिल्म में 7.5 करोड़ रुपये दोनों ही कंपनी को निवेश करने थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक 'एंड मूवी प्रोडक्ट्स LLP' ने मार्च 2024 से जनवरी 2025 तक करीब 8.85 करोड़ का निवेश किया। मगर उन्हें वापसी में सह-निर्माताओं की तरफ से पैसे मिले।

याचिकार्ता ने क्या लगाए आरोप?

याचिकार्ता ने याचिका में बताया कि फिल्म के लिए समझौते के वक्त उन्हें निवेश किये गए 8.85 करोड़ रुपये फिल्म की रिलीज से पहले वापस करने का वादा किया था। मगर उन्होंने सिनेमाघरों में रिलीज के साथ-साथ ओटीटी रिलीज की योजनाएं भी बिना सह-निर्माता कंपनी को जानकारी दिए बना लीं। इस वजह से फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी जाए। इसके साथ ही उन्हें उनका निवेश ब्याज सहित वापस किया जाए।

कोर्ट ने सुनाया फिल्म पर यह फैसला

रिपोर्ट्स के मुताबिक बॉम्बे हाई कोर्ट ने फिल्म पर फैसला सुनाते हुए मूल निर्मातओं को तगड़ा झटका दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि फिल्म की रिलीज पर रोक लगाना सही नहीं है। मगर निर्मातओं को यह पैसा अदावात में जमा करना होगा। तब ही वह फिल्म अपनी तय डेट पर रिलीज कर सकेंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने अश्लीन प्रोडक्शंस को 8.85 करोड़ रुपये 15 प्रतिशत साल के ब्याज के हिसाब से भुगतान करने का आदेश दिया।

प्रोड्यूसर ने दी सफाई

वहीं मामले पर गुरुवार दोपहर फिल्म के प्रोड्यूसर विशाल राणा ने सफाई देते हुए कहा, 'कुछ ऐसे मामले थे जिन पर ध्यान देने की जरूरत थी और मुझे खुशी है कि हम उन्हें आपस में ही सुलझा पाए। अब सब कुछ ठीक हो गया है और हम अपनी योजना के अनुसार 23 अक्टूबर को 'तू है मेरी किरण'

‘फिट हो जाओ, टीम में वापसी होगी’

अमित मिश्रा ने विराट पर लगाए गंभीर आरोप! बोले- फिर कोहली ने फोन नहीं उठाया!

○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

भारत के पूर्व लेग स्पिनर अमित मिश्रा का अंतरराष्ट्रीय करियर एक टी20 मुकाबले के बाद खत्म हो गया था। मिश्रा का मानना है कि अगर उस मैच में उन्हें चोट नहीं लगी होती तो वह भारतीय टीम के लिए आगे भी खेल सकते थे। उन्होंने दावा किया कि तत्कालीन कोच अनिल कुंबले और कप्तान विराट कोहली ने उन्हें फिट होने के बाद टीम में वापसी का भरोसा दिया था। हालांकि, चोट से उबरने के बाद जब उन्होंने कोहली से संपर्क किया तो उन्हें कोई जवाब नहीं मिला।

कुंबले और कोहली ने दिया था वापसी का भरोसा

अमित मिश्रा ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के पांडकास्ट 'बैठ एंड बोल' में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के आखिरी दौर को लेकर यह खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 2017 में बंगलूरू में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान उनके पैर में चोट लग गई थी। यह भारत के लिए उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साबित हुआ। मिश्रा के मुताबिक, चोटिल होने के बाद उन्होंने तत्कालीन मुख्य कोच अनिल कुंबले से बात की थी। कुंबले ने उन्हें फिट होने के बाद टीम में वापसी का भरोसा दिया था। मिश्रा ने कहा, 'उस समय बंगलूरू में मेरे पैर में चोट लग गई थी। जब



'फिट होने के बाद भी नहीं मिला जवाब'

मिश्रा ने दावा किया कि फिट होने के बाद उन्होंने कोहली से टीम में वापसी की स्थिति के बारे में पूछा। कोहली ने कथित तौर पर एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर जानकारी देने की बात कही, लेकिन कई सप्ताह बीत जाने के बाद भी कोई जवाब नहीं आया। मिश्रा ने कहा, 'मैंने कोहली से पूछा कि भाई, क्या स्थिति है? उन्होंने कहा कि मैं तुम्हें एक सप्ताह से 10 दिन में बता दूंगा। फिर एक सप्ताह बीता, दो सप्ताह बीते, तीन सप्ताह बीत गए, लेकिन उनकी तरफ से कोई अपडेट नहीं आया। मैंने उन्हें फोन किया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। मैंने मैसेज किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।' पूर्व स्पिनर के मुताबिक, उन्होंने दोबारा भी फोन किया, लेकिन उन्हें कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने इस मामले को छोड़ दिया।

'जब कोई आपको चाहता ही नहीं तो क्या कर सकते हैं?'

मिश्रा ने यह भी कहा कि उनसे ज्यादा गंभीर चोटों से उबरने वाले और लंबे समय तक टीम से बाहर रहने वाले खिलाड़ियों को फिट होने के बाद वापसी का मौका मिला। लेकिन उनके मामले में ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, 'मैंने दोबारा फोन किया, उन्होंने जवाब नहीं दिया। मैंने दो बार और फोन किया, फिर भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद मैंने भी इसे छोड़ दिया। मैंने सोचा कि अब क्या कर सकते हैं? जब कोई आपको चाहता ही नहीं तो आप क्या कर सकते हैं? मुझसे ज्यादा गंभीर चोटों से उबरने वाले और लंबे समय तक चोटिल रहने वाले खिलाड़ियों ने वापसी की, लेकिन मुझे आज तक कोई जवाब नहीं मिला।' इस तरह 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ बंगलूरू में खेला गया टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मैच रहा।

मैं चोटिल होने के बाद जा रहा था, तब अनिल कुंबले कोच थे। मैंने उनसे कहा तो उन्होंने मुझसे कहा कि चिंता मत करो। जैसे ही तुम फिट हो जाओगे, अपने आप वापस आ जाओगे।' मिश्रा ने बताया कि इसके बाद उन्होंने विराट कोहली से भी बात की थी, जो कि उस वक्त कप्तान थे। उनके मुताबिक, कोहली ने भी

पूरी तरह फिट होने पर टीम में वापसी का भरोसा दिया था। मिश्रा ने पांडकास्ट में कहा- इसके बाद विराट कोहली कप्तान बनें। मैंने विराट कोहली से पूछा भी कि- भाई, अब क्या करने की जरूरत है? उन्होंने कहा- आप चिंता मत कीजिए। पूरी तरह से फिट हो जाइए और सहज महसूस करें, फिर आप टीम में होंगे।'

अपनी आलोचनाओं पर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि वे ऑनलाइन होने वाली टोलिंग को अपनी भाषा या फिल्म चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी। 'काँफी विद करण सीजन 9' के हालिया एपिसोड में रश्मिका ने अपने किरदारों के लिए डबिंग और अलग-अलग तरह के कैरेक्टर चुनने पर भी बात की। रश्मिका की हिंदी डायलॉग डिलीवरी ने सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा है। कुछ दर्शकों ने उनके एक्सेंट पर सवाल उठाए हैं। साल 2025 में 'हॉरर कॉमेडी 'शामा' और 'कॉकटेल 2' के रिलीज होने के बाद यह चर्चा फिर से तेज हो गई थी। 'एनिमल', 'छावा' और 'सिकंदर' में उनकी एक्टिंग पर भी ऐसे ही रिएक्शन आए।

रश्मिका मंदाना ने क्या कहा?

रश्मिका मंदाना ने अपने हिंदी एक्सेंट की आलोचनाओं पर जवाब देते हुए कहा है कि उनसे यह उम्मीद करना गलत है कि वे साउथ इंडियन न



रिलीज करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। हमारा हमेशा से यही लक्ष्य रहा है कि फिल्म दर्शकों तक पहुंचे और हम कल होने वाली इसकी थियेटर रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।'

फिल्म 'तू है मेरी किरण' के बारे में

'तू है मेरी किरण' से सोनाक्षी सिन्हा एक बार फिर सिनेमाघरों में लौट रही हैं। एक्ट्रेस पति अभिनेता जहीर इकबाल के साथ एक दिखाई देंगी। फिल्म का लेखन और निर्देशन करण रावल ने किया है। फिल्म का निर्माण सर्वेश गोयल, अश्वनी कुमार, मनोज दराक और नृपाल पटेल ने मिलकर किया है।